सिद्ध विश्वास

हमारे स्वर्गीय पिता आज रात्री हमारी ये भावना है। हम यहां विश्वास के लिए जमा है, केवल यीशु मसीह पर विश्वास। आज रात्रि यहां वे है, जो बीमार और दुखी है और आज रात्रि हमने अपनी सभा बिमारो की चंगाई के लिए समर्पित की है और टूटी हुई देह। अब जैसा गाने वाले ने वह सुंदर भजन गाया, *तब यीशु आया,* होने पाए आज रात रात्रि दृश्य पर आए, प्रभु और सब पीड़ितों को चंगा करें, और एक भी दुर्बल व्यक्ति आज रात्रि हमारे बीच में ना हो। प्रभु, इसे प्रदान करें और हमारी सहायता करें जैसा कि हम वचन में देखते हैं, कि प्रयाप्त विश्वास प्राप्त करें इस घड़ी में। हम यीशु नाम में मांगते हैं। आमीन।

2 (किसके थे?) यहां एक चश्मा है, जो किसी ने खो दिया है, और आराधना लाए में मिला है। यदि कोई... यदि ये आपका है, तो ये यहां प्रचार मंच पर है, पुलपिट पर।

3 अब, मैं जानता हूं कि बहुत से लोग काम कर रहे हैं, और उन्हें घर जल्दी पहुंचना है, और इसलिए मैं बहुत लंबा नहीं बोलूंगा और फिर प्रार्थना के लिए प्रार्थना पंक्ति बीमारों के लिए। ये मुझे एक सुअवसर देता है कि—कि कुछ आपात स्थितियों को पकडू जो अभी कमरे में थे, अंदर आने के पहले उन्हें पकड़ा और इस दोपहर बाद उनमें से कुछ, निसंदेह बहुत ही खराब और हिंसक। और मैं फोन भी कर रहा था और बीमारों के लिए प्रार्थना। और अपने प्रभु यीशु की चंगाई भरे हाथ को बीमार और दुखी को चंगा करते देख रहा था, कि वह कितना अद्भुत है!

4 अब हम इन चंगाई सभाओं में अक्सर नहीं जाते, क्योंकि अक्सर हम... पवित्र आत्मा आस–पास आएगा, यदि कोई आपात स्थिति है, और तुरंत ही जांच लेता है और लेकर और इस विषय में कुछ कहता है। तब वे बाकी, क्यों, हम जरा... हो सकता है अधिक बुरा ना हो, तो हम उसे छोड़ देते हैं। और मैंने सोचा, यहां एक दिन में दो बार, ऐसा होना चाहिए कि हम एक सभा बीमारों के लिए प्रार्थना के लिए रखें मैं बीमारों की चंगाई में विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं, कि यह एक बाइबल की आज्ञा

है, बिना इसके हम प्रचार नहीं कर सकते... पूर्ण सुसमाचार बिना इसको सम्मलित किए।

5 अब यह संभव है... मुझे अभी नहीं मालूम, मैंने आज रात्रि भी घर फोन नहीं किया, हो सकता है अगले रविवार संभव है, मैं यहां फिर से होऊगा। और यदि—यदि आप इस सप्ताह हमसे ना सुने, यदि बिली आपको ना बताएं (वह सप्ताह के अंत में जान पायेंगा), यदि आप ये ना सुने, तो सिर्फ हम अगले रविवार यहां पर होंगे, क्योंकि उस दिन लेबर डे होगा, आप देखिए, कि विश्राम करें और इस प्रकार से... या घर पहुंचे। समझे? इसलिए हम यत्न करेंगे, प्रभु ने चाहा। अच्छा, अब यदि आप ना सुने... मैं सोचता हूं बिली आपके पास कार्ड भेज देगा या किसी तरह से सभा में बता देगा इसलिए यदि वह आपको ना कहे, तो फिर मैं वापस आ रहा हूं इस आने वाले रविवार में। यदि भाई नेविल, ये ठीक है किसी सभा में? [भाई नेविल, भाई ब्रन्हम से बात करते हैं।—सम्पा।] ओह, यह अच्छा है।

6 यदि कोई इस छोटे कोलिन्स को यहां जानना चाहता है। और सात मोहरों के समय, डॉक्टर ने इस छोटे लड़के को बता दिया था, इस गठीया बुखार के साथ, इसे लेटे रहना पड़ेगा और नलकी से पीना पड़ेगा; वह यहीं था। और पिता और माता इसे घर से ले आए और उसे कमरे में बैठा दिया, उसके लिए प्रार्थना की। और प्रभु यीशु ने उसे पूरी रीती से चंगा कर दिया, वह विद्यालय चला गया; और अधिकारियों ने उन्हें इस विषय में बुलाया। इसलिए उन्होंने विशेषज्ञ को बुलाया, जो उसकी प्रतीक्षा कर रहा था, और वह विश्वास ना कर सकी... वह ऐसी चीज का विश्वास नहीं कर सका जैसे ये, और वे लड़के को जांच के लिए ले गए और बिल्कुल अच्छा और स्वस्थ था। तब यीशु आया, परिक्षा करने वाले की सामर्थ टूट गई थी!

7 अब जानते हैं, विचित्र बात, मैं किसी से उस गाने को गाने के लिए कहने जा रहा था आज रात्रि। और जैसे कि मैं उस कमरे में वहां सेवा कर रहा था, तो कोई इस गाने को गा रहा था, *तब यीशु आया*। यदि ये नहीं गाया जाता, तो मैं किसी से कहने जा रहा था कि मेरे बोलने से पहले कोई गाए। इसलिए, वह—वह सारे कामों को सही करता है।

8 अब, आप में से बहुत से सुबह तक प्रतीक्षा करेंगे, ये जाने के लिए एक लंबी दूरी है, और इस यत्न के लिए लिए मैं सराहना करता हूं। आप में से कुछ गाड़ी चला कर आज रात्रि घर जाएंगे, क्योंकि दिन निकलते ही सुबह

आपको काम पर जाना है, और मैं—मैं जानता हूं कि यह कठिन है। और तब जब मैं सोचता हूं, और ये देखता हूं...

9 मेरी भी कार्य अवधि होती है, आप जानते हैं; मैं चिड़चिड़ा हो जाता हूं। मैं ऐसी स्थिति में पहुंच जाता हूं जहां मैं... जो मुझे पहुंचा देता है, जहां मुझे वह अवकाश मिलता है जब मैं अधिकाई से कार्य करता हूं और शैतान आकर मुझसे कह रहा है, "क्यों, कोई तुम्हारी चिंता नहीं करता। वास्तव में इस संसार में तुम्हारा कोई मित्र नहीं है, देखिए।" और इसलिए...

10 याद रखे, परीक्षाओं से मैं उन्मुक्त को नहीं हूं। मुझे उन पर जय पानी होती है। तब जब मैं पलट कर देखता हूं और कुछ इस प्रकार से देखता हूं, मैं ठीक वापस उसी के सामने डाल देता हूं, और कहता हूं, "इस विषय में क्या है? " इससे मुझे जयवंत होने में सहायता मिलती है। "इस विषय में क्या है? "

11 जैसा कि मेरा एक विशेष मित्र है, वह यहां सभा में बैठा हुआ है, वहां एक दल था... एक प्रकार का दल जो दिव्य चंगाई में विश्वास नहीं करता, यह युवा हाल ही में इसके पास आया और उससे कहा, "वह बात जो वह प्रचार कर रहे हैं वहां दिव्य चंगाई के विषय में, इससे से कुछ नहीं होता।"

12 और यह पुरुष केंटकी में रहता है, ठीक उस बूढ़ी महिला के पास, जब हम वहाँ एक्टन कैंप ग्राउंड पर थे, वह कैंसर से मर रही थी। और उस रात्रि उसकी बहन सभा में अपने पर्स में रुमाल के साथ आयी जिसे उसने निकाला था, और पीछे पवित्र आत्मा ने उस महिला को बुलाया था (और मैं उसके पहले उस जगह कभी नहीं गया था) और उसे ये बताया, कि "उसके पास पर्स में रुमाल है, जो उसके पास वहां था, उसने घर से लिया था, और उसकी बहन वहां किसी पर्वत श्रेणी में, पेट के कैंसर से मर रही थी। डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया था।" और मैंने कहा, "जाओ यह रुमाल उस महिला पर रख दो, क्योंकि यहोवा यों कहता है कि 'वह जीयेगी।'" और उसी रात, उनके वहां साल्वेशन आर्मी उन्होंने सोचा, जब भाई बेन वहां पहुंचे और फिर रखा... और फिर वह महिला इतनी अच्छी तरह चंगी हुई, जब तक की वह अपना काम नहीं करने लगी और पड़ोसियों का काम।

13 इसलिए ये युवा पुरुष, यह जानता था, उसने कहा, "तब उस घटना की व्याख्या की! ये तय हो गया। व्याख्या; आप जानते हैं उसे कैंसर था।

वह यहां लुईसविल में थी और डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया था और बस छोड़ दिया, 'सिल कर उसे वापस कर दिया, कुछ नहीं हो सकता था।' और अब वह बिल्कुल ठीक है, भली चंगी।" कहा, "इसकी व्याख्या करो।" इसने यह तय कर दिया। समझे?

14 आप जानते हैं बाइबल में कहा, "और वे कुछ भी गलत नहीं कर सके, क्योंकि वह पुरुष ठीक वहां उनके बीच में खड़ा था, जिस पर ये आश्चर्यकर्म हुआ था।" यही जहां हम... इसने शैतान को लज्जित कर दिया, क्या नहीं? वह पुरुष वहां खड़ा हुआ था जिस पर वहां आश्चर्यकर्म हुआ था।

15 क्या परमेश्वर मरे हुओं को जिलाता है? यहां एक व्यक्ति बैठा हुआ है, ठीक यहां पर, मरे हुए में से जलाया हुआ। परमेश्वर बीमार को चंगा करता है? ओह प्रभु, हाथ, हर कहीं जा सकते हैं, परमेश्वर बीमार को चंगा करता है। और हम जानते हैं कि वह महान है—महान मैं हूं, ना कि महान "मैं था" या "होऊंगा"; मैं हूं। यह ठीक बात है। *मैं हूं,* जो कि, "सदा उपस्थित रहता है, हर कहीं, सारे समय"; कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

16 अब जल्दी में, आइए हम धन्य बाइबल में निकालें। मैं एक भाग पढ़ना चाहता हूं जिसने "मुझे अक्सर घुमाया है" जब मैं ये पढ़ता हूं। और आज रात्रि में प्रार्थना पंक्ति लेना चाहता हूं, और हर एक के लिए प्रार्थना करना चाहता हूं, जो करवाना चाहता है।

17 और अब हम मरकुस निकालने जा रहे हैं, संत मरकुस 11 वा अध्याय संत मरकुस का। और हम 22 वे पद से पढ़ना आरंभ करेंगे, संत मरकुस का ग्यारहवां अध्याय। और आप में से बहुत से ये वचन जानते हैं, यह बहुत ही जाना–पहचाना है। यह वचन था जिस पर मैं सोच रहा था, भाई रसल जब वे... जब वह मुझ से बोला और उन गिलहरियों के विषय में बोला। और वे... ये बस वही वचन था जिस पर मैं सोच रहा था। यह सदा एक पहेली रहा। उसने कहा, "यदि *तुम* कहो" ना कि "यदि *मैं* कहता हूं।" "यदि *तुम* कहो!"

18 अब इसे हम पढ़ते हैं।

> *... यीशु ने उसको उत्तर दिया, परमेश्वर पर विश्वास रखो।*
>
> *मैं तुमसे सच कहता हूं कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड; और अपने मन में संदेह ना करें, वरन*

प्रतीति करें कि जो कहता हूं वह हो जाएगा; तो उसके लिए वही होगा।

इसलिए मैं तुमसे कहता हूं कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके मांगो, तो प्रतीति कर लो तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिए हो जाएगा।

और जब कभी तुम खड़े हुए प्रार्थना करते हो, तो यदि तुम्हारे मन में किसी के प्रति कुछ विरोध हो, तो क्षमा करो: इसलिए कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी... तुम्हारे अपराध क्षमा करें।

यदि तुम क्षमा ना करो, तो तुम्हारा पिता भी जो स्वर्ग में है, तुम्हारा अपराध क्षमा न करेगा।

19 अब, विश्वास क्षमा पर आधारित है, तब और तब, जैसा की हमने इस प्रातः कहा, कलीसिया को उस स्थान तक लाने का यत्न करें जहां हमारे मध्य में प्रेरितों का समय चलने लगे, यही जिसकी हम सभो को भूख है। और ये यहां ठीक द्वार पर रखा है, हम इसे देखते हैं, परंतु हम इसे और अधिक देखना चाहते हैं। हम इसका ऐसा बहाव चाहते हैं कि होगा—यह हमारी सहायता करेगा हम बाहर, दूसरों के लिए बहेंगे।

20 याद रखें, यीशु ने कहा (जैसा कि हां सुबह के पाठ में था।), उसने अपनी शक्ति कभी भी अपने लिए प्रयोग नहीं की, उसने ये दूसरों के लिए प्रयोग की। वह इसीलिए ही भेजा गया था। और आप कभी सोचते हैं, "क्यों एक ऐसा पुरुष जो इतना सामर्थ भरा हो, जैसा वह, वह कभी बीमार हुआ होगा? " जी हां, श्रीमान। मैंने किसी पुस्तक में पढ़ा है कहीं जहां जब उसने उस लड़के को जिलाया नाइन गांव की विधवा का पुत्र (मैं विश्वास करता हूँ, *दाऊद के धराने का राजकुमार*) कि वह एक चट्टान पर बैठा था और सिर दर्द से करहा रहा था। समझे? उसने हमारे दुर्बलता को सह लिया, *सहने* का अर्थ "उन्हें समेट लिया।" देखिये, उसने सह लिया, और उसमें सब चीज थी... जैसे हम में है। उसमे बीमारी थी, उसके पास परीक्षाये थी, उसके पास परेशानियां थी, उसमें घबराहट थी वैसे ही जैसे हमारे में है, क्योंकि उसे सही प्रकार का बिचवाई बनना था; इसलिये कि उसे सहभागी होना था, फल का किसान, इसके पहले कि वह जानेगा। कुंए पर स्त्री और बहुत सी बातें, देखिये, यदि हम वचन में सीधे देखें।

21 मैं ये कहना चाहता हूँ, कि मैं हर वचन का विश्वास करता हूँ, इसका हर बिंदु सच्चा है। आज आलोचनाये है, वे इसका इसका विश्वास नहीं करना

चाहते। एक आलोचक ने एक बार कहा कि, "जब यीशु ने उन लोगों को भेजा जहाँ वह गदही का बच्चा बंधा था, जहां दो रास्ते मिलते थे, जो उसने पहले से तैयार किया हुआ था, जहां वह गधी का बच्चा बंधा था।" देखिये वे नहीं समझते कि *परमेश्वर* ने ये पहले व्यवस्थित किया हुआ था।

22 उस दिन परमेश्वर ने मुझे बता दिया कि मैं भाई दाऊच से "फिर सड़क पर हाथ मिलाऊंगा।" यह बहुत ही विचित्र है, उस प्रात: मैं यहाँ पर नहीं था; परंतु दो मिनट, या एक मिनट बाद, मैं उन से सड़क पर नहीं मिला। परंतु मैंने कार से कदम बाहर रखा, समय में की उस से हाथ मिलाऊ, जब वह अंदर आ रहे थे सड़क पर। वह मुझे नहीं जानता था; उसने अपना चश्मा उतार रखा था, वह मुझे नहीं देख सकता था। जब उसने मेरी आवाज सुनी उसने रोना शुरु कर दिया। ये क्या था? वह अक्सर ऐसा नहीं करता, परंतु यह उस बात का उत्तर था, जो उसे ऑक्सीजन लगे पर बताया गया था; कि वह ये करेगा।

23 मैंने कहा, "आप कलीसिया में भी फिर से बैठेंगे"; उसके हृदय की इच्छा। जब हमारी शिकागो की सभा हो रही थी, वह उस सभा में आना चाहता था, उसका हृदय उधर ही था। मैंने एक तार शुभकामनाओं का उसे अपनी और बालकों की ओर से भेजा, उसे बताया हम उसके लिए प्रार्थना कर रहे थे कि वह चंगा हो जायेगा, जल्द ही। और एक प्रिय भाई जो उस से मिलने गया कहा कि वह—वह बहुत ही आना चाहता था। परंतु आज रात्री वह यहाँ पर बैठा है हमारे साथ। समझे? ये पहले से तय नहीं था। उसी परमेश्वर ने उसे व्यवस्थित किया, है, वह हर कार्य को सिद्धता के साथ ठीक समय पर बनाता है।

24 एक बार एक आलोचक ने कहा, "कोई आश्चर्य नहीं, यीशु पांच रोटियां ले कर और पांच हज़ार को खिला सकता था," बोला, "कि उन दिनों में रोटियां बड़ी होती थी, और उसने बस हर रोटी को काट कर हजारों को खिला दी।"

25 "मैं आपको समझाना चाहता हूँ, एक छोटे लड़के के पास ये उसके दोपहर के लिये थी!" एक छोटे लड़के ने पांच रोटियां रखी, जिस से पांच हज़ार लोगों को खिलाया जा सके और पेट भर जाये। तब बाहर टोकरियों का क्या है, जो बाद में उठायी गयी? समझे? ओह वे बस... यह एक आलोचना

है, ये बस यही है। यह परमेश्वर के वचन को नहीं बदलता, यह वैसा ही है, देखिये आगे बढ़ता है।

26 और हम विश्वास पर बोलना चाहते हैं, और विभिन्न प्रकार के विश्वास, सिद्ध विश्वास। यह एक महान चीज है। अब, विश्वास, हमें बाइबल में बताया गया है, "विश्वास सुनने से आता है।" अब आज बिना विश्वास के बजाये नहीं जा सकते। और विश्वास कुछ है जिसका आपको विश्वास करना ही है कि ये है, इससे वास्तव में कोई चीज घोषित नहीं करेगी... कि ये है सिवाये विश्वास के। अब मैं आपके पास विश्वास लाने का यत्न कर रहा हूँ, ताकि आप इस प्रार्थना पंक्ति के लिये तैयार हो सके, अगले ही कुछ मिनटों में।

27 अब विश्वास: "वह जो परमेश्वर के पास आता है उसे विश्वास करना चाहिये कि वह है।" और यह असंभव है कि आप परमेश्वर को बिना विश्वास के प्रसन्न न करे। आप उसे प्रसन्न नहीं कर सकते। और यदि आप कहते हैं कि आप परमेश्वर पर विश्वास करते है... आपने उसे कभी देखा नहीं है देखिये, इसलिए तब आपको विश्वास के द्वारा विश्वास करना पड़ेगा। और यदि आप उसे देख सके, तो फिर यह विश्वास नहीं है। समझे? कोई भी चीज जिसे चेतनाये घोषित करती है, वह विश्वास नहीं है, यह विज्ञानिक सत्य है; देखिये, यह कोई विश्वास नहीं है, परंतु आपको उसे विश्वास के द्वारा ही स्वीकार करना है। "और वह जो परमेश्वर के पास आता है उसे परमेश्वर का विश्वास करना ही चाहिये; और विश्वास परमेश्वर के वचन को सुनने से आता है।" समझे? आपको पहले यह विश्वास करना ही है कि *ये* परमेश्वर का वचन है और आपको परमेश्वर के पास वचन के द्वारा आना है। समझे? बस वचन लीजिए, ये क्या कहता है और "यह ठीक है!" और हर चीज जो इससे मेल नहीं खाती, वह सही नहीं है।

28 अब्राहम को विश्वास करना ही था जो आवाज ने उसे बताया। और जब वह सौ वर्ष का था, 25 वर्ष बाद, वहां इसका विश्वास करने में मजबूत था, बजाये 25 वर्ष के पहले जब ये उसे दिया गया। समझे? उसने इसका विश्वास किया। और "वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर डगमगाया नहीं, अविश्वास से परंतु मजबूत परमेश्वर को महिमा देता रहा, जानते हुए कि जो उसने प्रतिज्ञा दी वह उसे करने के योग्य है।" और इसी प्रकार से हर एक को होना चाहिए। आपको असफल ना होने वाले विश्वास के

साथ आना चाहिए, वे विश्वास करते हुए की प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की है। परंतु अब आपको ऐसी स्थिति में होना चाहिए कि वह विश्वास हो, और यही जिस पर हम बात करने जा रहे हैं; देखिए, कि उस विश्वास को प्राप्त करे।

29 इब्रानियों में, इब्रानियों की पुस्तक 11 अध्याय, हमें यह बताया गया।

... विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय...

30 अब, यही जहां बहुत से लोग अपनी चंगाई को प्राप्त करने में असफल हो जाते है, या जो वे मांग रहे हैं, क्योंकि वे विश्वास को कुछ होने के लिए लेते हैं कि ये नहीं है। समझे? वे इसका विश्वास नहीं करते। ये—ये... ये—ये कल्पना नहीं है। यह एक वास्तविक वस्तु है।

31 अब, ध्यान से सुनिए! ये वह नहीं जिसकी आप कल्पना कर रहे हैं। ये वैसे ही वास्तविक है आपके लिए जैसे आपकी देह कि कोई भी चेतना किसी चीज की घोषणा करें। ये वैसे ही वास्तविक है जैसे मेरी आंख कहती है, "यह एक कागज का टुकड़ा है।" यह वैसे ही वास्तविक है, जैसा ये कहते हैं, "यह एक उजियाला है।" यह वैसे ही वास्तविक है, जैसा कहते है, "मैं अपने कोर्ट को अनुभव करता हूं।" यह वैसे ही वास्तविक है, जैसे—जैसे मैं उस बालक को वहां बात करते हुए सुनता हूं या शोर मचा रहा हूं। यह वैसे ही वास्तविक है, जैसे संगीत बज रहा है। यह वैसे ही वास्तविक है, जैसे मैं किसी चीज का स्वाद अपने मुंह में ले रहा हूं। यह वास्तविक है, केवल आप इसे किसी को दिखा नहीं सकते। ये केवल आपके ही पास है। आमीन! यह आपका है, विश्वास *एक* वस्तु है; देखिए ना की एक कल्पना। बहुत से लोग आते हैं...

32 अब, यह वास्तविक एक गहरे पाठ है, और मैं इसके ऊपर का पकडूगा, तब आप इसे गहरा खोदे। समझे?

33 ध्यान दें, ये कुछ है जो आपके पास है; ना कि कल्पना यदि यह वास्तव में आपके पास है, यह आपके लिए वैसे ही वास्तविक है जैसे कोई और चीज जो आपके पास हो सकती है। यह वैसे ही वास्तविक है, जैसे आप थे जानते हैं, कि—कि आप अपनी कार में सवारी कर रहे हैं। यह वैसे ही वास्तविक है जैसे आप जानते हैं कि आप आराधनालय में बैठे है, यह वैसे ही वास्तविक है जैसे आप मेरी आवाज को सुन रहे हैं। यह एक वस्तु है, ना की कल्पना; ना की एक मनोभाव, परंतु कुछ ऐसा जो आपके पास है

और ये आपके पास परमेश्वर के वचन के सुनने से आता है और केवल उस से। "विश्वास सुनने के द्वारा और परमेश्वर के वचन को सुनने से।" यह आपको वहां रखता है जहां आपका विश्वास है, वरना यह किसी व्यक्ति में नहीं है। यह मनुष्य में नहीं है। यह संस्था में नहीं है। यह लोगों के झुंड में नहीं है। यह परमेश्वर में है, क्योंकि परमेश्वर वचन है। समझे? आपका विश्वास परमेश्वर में है।

विश्वास परमेश्वर के वचन को सुनने के द्वारा आता है।

34 तब जब परमेश्वर, अपने वचन के द्वारा... ना कि किसने क्या किया है, के द्वारा, किसी ने कहा, परंतु जो परमेश्वर के वचन ने कहा। उसने कहा, "हर मनुष्य का वचन झूठा, और मेरा वचन सच्चा ठहरे।"

35 अब, आप देखिए कोई किसी कार्य के करने के द्वारा, या परमेश्वर का व्यवहार या परमेश्वर की प्रतिज्ञा और उसमें बहुत से कहते हैं, "मैं भी वह कर सकता हूं।" यह एक कल्पना है। और जब वे करते है आप पाएंगे कि वे कही ढह जाते है। इसे एक वस्तु होना है। अब, यह एक संम्भवित विश्वास। ये कुछ है जो आपको एक विश्वास पर लायेगा। ये सम्भवित, जैसे आप मुझसे एक बांज का वृक्ष मांगे और मैं आपको एक बीज देता हूं। आपके पास एक संम्भवित बांज वृक्ष है, परंतु इसने अभी अपने आप को उत्पन्न नहीं किया है; परंतु जब यह वास्तव में अपने आप को बाहर लाता है, यह एक बांज वृक्ष है। और जब आप कल्पना करते है कि परमेश्वर ने यह किया है... परंतु जब यह आप पर प्रगट हुआ तो यह विश्वास है, एक सिद्ध विश्वास जो असफल नहीं हो सकता।

36 यही कारण है कि दर्शन मेरे लिए इतने—इतने आश्चर्यजनक होते है, क्योंकि ये हर बार सिद्ध हुए हैं। समझे? और मैं जानता हूं कि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। और यह उसने अपने वचन में प्रतिज्ञा दी है, और यहां वह आता है और इस दिन के लिए प्रतिज्ञा दी है। इसलिए आप जानते है कि आप कहां खड़े है, जब उसने ऐसा कहा है। देखिए, ये मुझे एक विश्वास देता है, क्योंकि वह अपने लिखे हुए वचन के विरोध मे कभी कुछ नहीं करता। समझे? और यदि ये वचन के विरोध मे था, तो इस पर मेरा विश्वास नही हो सकता था। इसे वापस वचन पर लेकर आए, देखिए, विश्वास परमेश्वर के वचन के सुनने में है। आपको परमेश्वर का वचन सुनना चाहिए! वचन

ही सर्वप्रयाप्त वचन है। कुल मिलाकर आपको इसी की आवश्यकता है कि यह वचन है।

37 अब, विश्वास वस्तु होने के नाते, और इसमें हम पाते है (इब्रानियों में) विश्वास क्या था, और उन्होंने क्या किया जिनके पास विश्वास था। अब देखिए बहुत से लोगो के पास आज बहुत बार विश्वास होता है और कल उनके पास नही होता; और अगले दिन वहां *कुछ* होता है और *कुछ* और। परंतु जब परमेश्वर एक बार इसे जड़ देता है, और आप इसे देखते है, तो फिर अब कभी कोई चीज आपको इससे हिलाने नहीं जा रही है। आप बस धक्का मार रहे है, पहुंच रहे है मान रहे हैं। और *मान लेना* "बिना किसी अधिकार के जोखिम उठाना है"; आप बस *इसे* कोशिश कर रहे हैं और आप *इस* पर कोशिश कर रहे है, और *इधर* को जा रहे है, और *इधर* उधर भाग रहे है। आपके पास अब भी विश्वास नहीं है! परंतु जब... यही जिसे हम "विश्वास" कहते है।

38 मैं—मैं—मैं... मुझे क्षमा करे। मैं चाहता हूं कि आप... धन्यवाद, भाई।

39 मैं—मैं चाहता हूं, अब आप इसे ले ले। हम... कलीसिया को, अपने आप को परमेश्वर की सामर्थ में उठाना है। कैसे? हम अंत के बहुत ही समीप है, अब, और मैं विश्वास करता हूं की कलीसिया इस दिशा में है, कि जहां मैं यह छोटी गहरी बाते सिखा सकता हूं और इस बनावटी विश्वास को बाहर कर दूं, देखिए, किसी वास्तविक चीज में ले आऊ समझे? ये कुछ ऐसा है जो आप जानते है!

और यदि आप कहते है, "भाई ब्रन्हम यह उजियाला नही है।"

"फिर भी आप जानते है, यह उजियाला है।"

"आप कैसे जानते है, कि ये उजियाला है? "

"मैं इसे देख रहा हूं।"

"भाई आप कैसे जानते हैं, कि आप गलत नहीं हो सकते? "

"मेरी दृष्टि मुझ पर इसकी घोषणा करती रहती है, कि ये उजियाला था।" समझे?

40 और यही कारण है कि मैं उन दर्शनों का विश्वास करता हूं, क्योंकि यह सदा मुझ पर यह घोषणा करते है कि यह सत्य है, क्योंकि यह वचन में से आता है। समझे? तब यदि ये यह कहता है तो यह तय हो गया, अब

ये इस प्रकार घोषणा करता है, तो फिर अनुमान का काम नहीं; यह होने जा रहा है। तब आप यह सुनते हैं, "यहोवा यों कहता है," देखिए, क्योंकि ये—यह मनुष्य के सोच से आगे है। ये प्रभु के विचारों में है। परंतु आप यहां खड़े है, जैसे एक दाखलता... जैसे एक डाली दाखलता में फल उत्पन्न कर रही है। समझे? परमेश्वर मनुष्य का प्रयोग करता है और केवल मनुष्य को। परमेश्वर मशीन का प्रयोग नही करता। परमेश्वर मनुष्यो के झुंड का प्रयोग नही करता। परमेश्वर संस्थाओं का प्रयोग नहीं करता। परमेश्वर सदा व्यक्तियो का प्रयोग करता है!

41 अब, विश्वास एक वस्तु है और इसके द्वारा, हम समझते हैं, वे सारी चीजे हो गई है। यह नही है—ये कल्पना नही है, यह वस्तु है; विशेष सिद्ध विश्वास। इसी पर मैं आज रात्रि बात कर रहा हूं, सिद्ध विश्वास को पाना। यह कल्पना नहीं है।

42 अब, दूसरे, लोग आकर कहते है, "ओह, मेरे पास पूरा विश्वास है, ओह, निश्चिय ही मेरे पास है।" अच्छा, तो फिर आप यहां किस लिए खड़े है? समझे? समझे? देखिए, आपका—आपका व्यवहार सिद्ध करता है कि आपके पास नही है, जिस विषय में आप बात कर रहे है। समझे? यदि आपके पास विश्वास था, तो फिर आप किसलिए प्रार्थना पंक्ति में खड़े होते हैं? समझे? आप ये चीजे किसलिए करते है?

43 देखिए, यदि आपके पास सिद्ध विश्वास है, तो आप सीधे–सीधे परमेश्वर की ओर देखते और इसका विश्वास करते और चले जाते। आपको—आपको प्रार्थना पंक्ति में आने की आवश्यकता नही होती। आपको इन चीजों की आवश्यकता नही होती, क्योंकि आपका विश्वास इस काम को वैसा कर देता। समझे? समझे? मेरे यह कहने का क्या लाभ, "मैने कमीज पहनी हुई है"? मैने कमीज पहनी हुई है!

44 "आप कैसे जानते है कि आपने कमीज पहनी हुई है? "

45 "भाई, मै ये देखता हूं, इसे अनुभव करता हूं। मैं जानता हूं कि ये है।" भाई, ये ऐसे जैसे वास्तव में कि जब सिद्धि विश्वास पकड़ कर लेता है। आप नहीं—आपको और आवश्यकता नहीं। यह पहले ही हो चुका; आप ये जानते है।

46 "आप इसे कैसे जानते है? "

47 "विश्वास मुझे ऐसा बताता है!" यही है। समझे? अब क्या आप समझ गए, मेरा क्या अर्थ है? यह सिद्ध विश्वास है।

48 अब, दूसरे शब्दो में, मैं जोखिम उठा रहा हूं, "भाई, मैं जाऊंगा। बाइबल ने कहा, 'प्राचीनो को बुलाओ, वे तेल से अभिषेक करे, इस पर प्रार्थना करे।' मैं जानता हूं, मैं जाऊंगा।" और आप कहते हैं, "भाई, मैं चंगा होने जा रहा हूं।" देखिए, आप अपने को बना रहे है; अब आप ध्यान दे, आप अपने आपको बनाने जा रहे है, बस—बस काम चला लिया। तब जब, वह उसमें होकर निकलता है, वह कहता है, "ओह, मैं अब भी नहीं देखता।" देखिए, आप वही थे, आपके पास विश्वास नहीं था!

49 आपका सच्चा विश्वास, वही इसे करेगा। आपका—आपका सच्चा विश्वास इसे आपके लिए इतना वास्तविक बना देगा... उस लहू बहने वाली स्त्री को देखिए, उसने कहा, "यदि मैं उसके वस्त्र के छोर को भी छु लूंगी, मैं चंगी हो जाऊंगी।" और जैसे ही उसने ये किया, उसने कहा, उसने "अपने आप में अनुभव कर लिया कि उसका लहू बहना बंद हो गया।" उसने वास्तव में इसका विश्वास किया।

50 और जब उसने छुआ... यह सिद्ध करने के लिए की ये एक गया—यह एक गया—यह रुक गया, यीशु घुमा और बोला, "मुझे किसने छूआ? " ये सिद्ध विश्वास! और यही सिद्ध विश्वास आज रात्रि, यीशु मसीह को छुएगा, जैसे इसने उस दिन किया। वह स्त्री सिद्ध विश्वास के साथ आयी उस समय के लिए।

51 अब, हम देखते है, पहले चेलो के पास सिद्ध विश्वास नहीं था। उनके पास नहीं था, क्योंकि उनके पास मसीह था, उसके साथ चल रहा था, परंतु फिर उसके बाद, मसीह उनमें था। और इस प्रकार आप देखते है, तो फिर यह कठिन है कि इस सिद्ध विश्वास को बिना पवित्र आत्मा के पाये इसे; इसे लाना ही है, यह लाता है। अब आप कहते है, "चेलों के पास सिद्ध विश्वास नहीं था? " नहीं; क्योंकि उनके पास मिर्गी वाला बालक था, वे इस शैतान को उनमें से निकालने का यत्न कर रहे थे, और वे ये नहीं कर पाये।

52 और पिता ने यीशु को आते देखा और उसने कहा, "हम अपने पुत्र को चेलो के पास लाये, और वे इसे चंगा नहीं कर पाये।" समझे?

53 और बाद में चेलो ने यीशु से पूछा, कह रहे है, "हम क्यो नही इसे चंगा कर पाये? "

54 और यीशु ने कहा, "विश्वास की घटी के कारण तुम्हारा अविश्वास।" यह ठीक बात है। "अविश्वास के कारण... "

55 अब, याद रखे, उनके पास सामर्थ थी। यीशु ने उन्हे अधिकार दिया था कि बीमार को चंगा करे, मरे हुए को जलाए, और प्रेत आत्मा को निकाले, इसके कुछ ही दिनो पहले, उसके पास शक्ति थी, परंतु उस शक्ति को उपयोग में लाने के लिए विश्वास नही। अब यहां ब्रन्हम आराधनालय है! यहां कलीसिया, दुल्हन आज है! पवित्र आत्मा यहां सामर्थ के साथ है, परंतु इसे चलाने के लिए विश्वास नहीं है। देखिए, मेरा क्या अर्थ है? इसे कार्यवन्त करने के लिए विश्वास चाहिए।

56 यहां; मेरे पास खोल है जो मैंने हाथ से भरा है। मैं जानता हूं, ये प्रक्षेपिक वचन के समान क्या करेगा, परंतु बंदूक के लिए आग चाहिए। आग के लिए पाऊडर चाहिए, उस पाऊडर में सामर्थ है, परंतु इसे आग चाहिए कि उसे जला दे। और वही चीज, पाऊडर खोल में है, परंतु इसे तैयार करने के लिए विश्वास की आवश्यकता है और इसे बाहर निकलना है। यही जो ये लेता है, देखिए सिद्ध; विश्वास पवित्र आत्मा की सामर्थ में आग लगा दे, जो कि अब हमारे पास पास है, जब से यह हमारे ऊपर आया है, कि महान चीजे देखे कि हो... विश्वास कुछ जो आपको प्रस्तुत करे।

57 आनंद से भरे हुए ह्रदय के साथ, आप बीमार के कमरे में प्रवेश करते है, जानते हुए कि आप क्या कहने जा रहे है। अंदर जाते है और जानते है कि क्या होने जा रहा है, कुछ जो पहले ही प्रगट हो चुका है, और ये आप जानते है। और आप अंदर जाते है, "यीशु मसीह के नाम में, वहां से उठे यहोवा यों कहता है!" आप वही है; ये सिद्ध विश्वास है। यदि वहा एक करोड़ लोग वहां खड़े हो, कह रहे हो कि यह घटित नही होगा, आप जानते है जो भी हो। ये होने जा रहा है। क्योंकि आप ये जानते है, ये होने जा रहा है। चाहे कोई भी कुछ कहे, आप वह है जिसके पास विश्वास है।

58 क्या आप कल्पना कर सकते है, यहोशु, वह इस्राएल के प्राचीनो को एकत्र करता है और कहा, "ओह भाइयो, हम लोग प्रभु के दास है, मैं चाहूंगा कि आप लोगों से कहू प्रभु से मांगो, यदि यह ठीक रहे, यदि—यदि

वह हमें थोड़ा और उजियाला दे, देखिए, और सूरज को थोड़ी देर तक रोके रखे"?

59 नहीं; उसे उसे इसकी आवश्यकता थी (और बिना प्रार्थना बिना किसी चीज के), उसे इसकी आवश्यकता थी, और उसने सूर्य को आज्ञा दी! उसने कहा, "वही रुका रह! मुझे आवश्यकता है, और मैं प्रभु की सेवकाई में हूं, और उसने मुझे इस कार्य के लिए यहां भेजा है, और मैं अपना सबसे अच्छा कर रहा हूं, जो मैं जानता हूं की कैसे करूं और शत्रु मार्ग मे आ गया है, और वे यहां पर है; यदि मैं सूरज को डूबने दू, वे एकत्र हो जाएंगे और मेरी परेशानी बढ़ा देगे, इसलिए रुक जा! और चांद तू वहीं रुका रह!" आमीन। वह वहां 24 घंटे रुका रहा।

60 अब, यदि संसार घूम रहा है और वह इसे रोकता है, सूरज एक स्थान में रुकता है और ये भागता नहीं, तो फिर क्या हुआ? अब आपने अपने आपको नास्तिक बना लिया, यदि आप *ये* कहते है; और यदि आप नहीं, तो आप निश्चिय ही विज्ञान के साथ मूर्खता कर रहे है, क्योंकि उन्होने कहा यदि संसार रुक गया ये गिर जाएगा। इसलिए अब क्या? और यदि आप कहते है, परमेश्वर का वचन सही नही है तो आप नास्तिक है। समझे? परंतु ये हुआ, यह मूल बात है। मैं इसकी कार्यशैली नहीं जानता, परंतु ये हुआ!

61 मैं पवित्र आत्मा की कार्यशैली नही जानता, परंतु मैं जानता हूं कि वह मुझ पर आया। मैं—मैं इसकी कार्यविधि नहीं जानता, परंतु मैं इसकी आशीषे जानता हूं बस कुल मिलाकर यही है, बस यही जानने चिंता है कि पवित्र आत्मा की आशीषे है और कार्यविधि, वह कार्य करता है। ये उसका भेद है।

62 यह लड़का चंगा ना हो सका क्योंकि... चेलो के पास सामर्थ थी; यीशु ने उन्हें हर प्रकार की बीमारी को चंगा करने का अधिकार दिया, प्रेतों को निकालना, कोढियों को शुद्ध करना और मृतको को जिलाना। उसने उन्हे अधिकार दिया, परंतु उनके पास उस अधिकार को कार्यवंत करने के लिए विश्वास नहीं था, जो उनके पास था। और फिर उन्होने यीशु से प्रश्न किया और कहा, "भई, अब हम इसे क्यों ना कर सके? "

63 अब याद रखे, उनके पास वचन था; और तब वचन देहधारी था। और वचन ने उन्हे बताया, "मैं *तुम्हें* अधिकार देता हूं।" और उनके पास सामर्थ थी, परंतु वचन को कार्यवंत करने के लिए उनके पास विश्वास नहीं था, जो

उनमें था। देखिए, मेरा क्या अर्थ है? परंतु ये यीशु के पास था, वह वचन था और उसके पास विश्वास था कि जो उसने कहा वह घटित होगा। उसने कहा, "ओह, उसे यहां लाओ, मैं कब तक तुम्हारी सहता रहूंगा? "

64 अपनी सामर्थ के साथ उसके पास विश्वास था। उसने कैसे किया? उसने कहा, "मैं अपने मे कुछ नहीं कर सकता।" क्यों? वह जो था, उस पर निर्भर था; वह इस जानकारी का पर निर्भर था कि वह एक वचन था। और उसका विश्वास परमेश्वर में था, जिसने उसे वचन बनाया। वह परमेश्वर था (वचन) और वे उसमे थे और इसने उसे विश्वास दिया, क्योंकि उसने अपनी स्थिति को समझ लिया था। वह जानता था कि वह क्या था, क्योंकि वचन ने कहा था वह *यह* था। और यहां हर वचन बंधा हुआ है कि सिद्ध करे कि वह ठीक वही था, जो वचन ने कहा कि जो वह होगा, और उसे मालूम था कि वह क्या था।

65 इसलिए, वह उस पर निर्भर करता था जो परमेश्वर ने उसे बनाया था। और यदि उसने वह किया तो क्या हम उस पर निर्भर नहीं कर सकते कि जो परमेश्वर ने हमे विश्वासीयो के समान बनाया है? "जो विश्वास करेंगे उनके ये चिन्ह होगे!" वह जो था उसका उसमें विश्वास था। और यदि आप एक विश्वासी है आपका उसमें विश्वास है जो आप है; आप एक विश्वासी है! और यदि आपका परमेश्वर में विश्वास है, बाइबल यहां ये कहती है... "यदि हमारा, यदि हमारे हृदय हमे दोषी ठहराते है, तो हमारे पास विश्वास नही हो सकता परंतु यदि हमारे हृदय हमे दोषी नही ठहरते, तो हमारे पास विश्वास है, हमारा भरोसा परमेश्वर पर है।" यदि आप इसे पढ़ना चाहते है तो संत यूहन्ना 3:21 में मिलता है। यहां मेरे पास वचन लिखा हुआ है।

66 अब ध्यान दें, संत यूहन्ना... मेरा मतलब पहला यूहन्ना 3:21। ध्यान दे।

> *... यदि हमारे हृदय हमें दोष ना दे, तो हमें परमेश्वर पर भरोसा होता है।*

67 परंतु जब तक आप उन चीजों को कर रहे है जो गलत है, तो आपका भरोसा परमेश्वर पर नहीं हो सकता। इसलिए, आप देखिए, आप... आप स्वयं ही जान जाएंगे कि आप गलत है। आप अपने आप को स्वयं ही पीछे एक पापी रखते है, यह जानने के द्वारा कि आप गलत है। परंतु जब आपका हृदय आपको दोषी नही ठहराता और आप जानते है कि आप एक विश्वासी

है, और परमेश्वर और आपके बीच कुछ नहीं है, आप जो चाहे मांग सकते है और जानते है कि आपको मिलेगा, क्योंकि यह वचन है जो आपको दिया है, ठीक जैसे ये उन चेलो को दिया गया था।

68 और तब आपको केवल एक काम करना है, उसमें विश्वास रखे जो आप है, उसमे विश्वास रखें जो वचन आपके लिए कहता है! और यीशु का विश्वास परमेश्वर के वचन में था, जिसने कहा कि वह क्या था, "ये मेरे लिए लिखा है।" क्या दाऊद भजन सहिता में नहीं और भविष्यवक्ताओं और सब ने उसके विषय में बोला? "जीवन की रोटी मैं हूं, जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आयी है।" आमीन! "मैं वह जीवन का वृक्ष हूं, जो अदन की वाटिका से है। मैं ये सारी चीजे हूं, मैं वह हूं जो मैं हूं।" और वह यह सिद्ध विश्वास से जानता था कि वह अभिषेक मसीहा था, कि परमेश्वर का आत्मा उस पर था। उसने कहा, "अब मैं स्वयं से कुछ नहीं करता; परंतु यह मेरा विश्वास परमेश्वर में है।" और परमेश्वर उसमें था, वचन प्रगट हुआ, और जब परमेश्वर का वचन आप में आता है, यह प्रगट होता है, क्योंकि आप एक विश्वासी है। समझे? और एक विश्वासी, "परमेश्वर का विश्वास आप में कार्य करता है।"

69 आप को यह अच्छा लगता है? मै—मैं—मुझे अच्छा लगता है, जब आप... मुझे सिखाना अच्छा लगता है, जहां... कैसे... वास्तव में विश्वास क्या है।

70 जानते हुये कि वह कौन था, बिना किसी संदेह के उसे मालूम था कि वह परमेश्वर का पुत्र था। उसे मालूम हो गया, क्योंकि वचन ने प्रमाणित किया। परमेश्वर के वचन ने प्रमाणित कर दिया कि वह कौन था। उसने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कार्यो को ना करूं, तो मेरा विश्वास ना करना; परंतु यदि—यदि मैं उन कार्यो को ना करूं, तो मेरा विश्वास ना करना, परंतु यदि मैं करता हूं तो फिर कामो का विश्वास करो, क्योंकि वे प्रतिज्ञा के वचन का प्रगटीकरण है।" ओह, यदि आप इसके लिये जागृत हो सके, एक मिनट! आप देखिए वचन स्वयं उसे प्रमाणित करता है, कि वह कौन था, और उसने कहा, "कौन मुझे पाप का दोषी ठहराता है? " दूसरे शब्दों में "कौन मुझे दिखा सकता है कि मेरा जीवन और मेरे कार्य ठीक उन बातो को पूरा नही करते जो मसीह को करना चाहिए? " कोई कुछ नहीं

कह सकता; क्योंकि वह था। तब उसके पास भरोसा था कि विश्वास करे, तब जो कुछ उसने कहा यह घटित होगा।

71 तब, वह घुमा और बोला, "वे काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे। थोड़ी देर बाद संसार मुझे और ना देखेगा; तो भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे संग होऊंगा। और तुम्हारे अंदर विचार नही करना कि क्या कहोगे, क्योंकि ये तुम नहीं जो बोलता है, ये तुम्हारा पिता जो तुम में रहता है वही है जो बोलता है, और यह मै नहीं हूं, यह पिता जो मुझ में रहता है, वह कार्यो को करता है।" देखिए मेरा क्या अर्थ है?

72 अब, मसीही वचन का प्रमाण, यीशु ने ये शब्द कहे, "विश्वास करने वालो के ये चिन्ह होगे।" अब आप कैसे अपने आप को एक विश्वासी कहते है, एक लोग और उन शब्दो का इन्कार करते है? आप अपने आप को कैसे विश्वासी कह सकते है और उसके किसी भी वचन का इंकार करे? समझे? आप यह नही कर सकते। आप एक विश्वास ही नही है, इसलिए चिन्ह नहीं हो सकते, क्योंकि आप केवल वही स्वीकार करते है जिसका आप विश्वास करना चाहते है और बाकी को रहने दे... आप नही करेंगे—इसका विश्वास ना करे। परंतु आपको सारी बात लेनी पड़ेगी, और इसका विश्वास करे। और जब आप सच में विश्वास करते है (ना कि बनावटी विश्वास, परंतु वास्तविक विश्वास), तब विश्वास करने वालो के ये चिह्न होगे।

73 क्या आज आप एक मसीही को पुराने मसीहो से तुलना कर सकेगे? कैसे वे चेले आत्मा की सामर्थ में चले, पवित्र आत्मा के चलाये चले ये करते है। बस एक कैदी, जैसा मैने उस रात्रि प्रचार किया था, वचन और परमेश्वर की इच्छा के कैदी; वे यहां तक कि आगे भी नहीं बढ़ते थे, जब तक परमेश्वर उन्हे नहीं चलाता। क्या आप ऐसी कलीसिया को उठते हुए देखना चाहते है? ये होने जा रहा है; वापस जा रहे है। इसे—इसे आना ही है। ये ठीक बात है। यह अपने मार्ग पर है, मैं विश्वास करता हूं।

74 क्योंकि वचन प्रमाणित हुआ, स्वयं में प्रमाणित हुआ, कि वह क्या था; और वही वचन हमें प्रमाणित करता है। समझे? "यदि एक मनुष्य मुझ से प्रेम करता है, वह मेरी आज्ञाओ का पालन करेगा। और यदि वह कहता है, वह मुझ से प्रेम करता है और मेरी आज्ञाओ को नही मानता (उन सारी को) वह झूठा है और उसमें सत्य है ही नहीं।"

75 आप कहते है, "भाई मैं सबका विश्वास नहीं करता... " तो फिर कि... आप बस एक अविश्वासी है, बस। यदि बाइबल ऐसा कहती है, ये इसे ठीक करता है, यह तय हो गया, अनंतकाल के लिए। जो बाइबल कहती है वही सत्य है।

76 ध्यान दे उसने कहा हमसे कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में।" संत यूहन्ना 15, "यदि तुम मुझ मे बने रहो... " देखिये, उसमे विश्वास करे। "तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे, तो जो चाहो *तुम* मांगो।"

77 अब, देखिए, उसे मालूम था की वह कौन था, इसलिए उसके पास विश्वास था। जब वह जान गया कि वह कौन था विश्वास उत्पन्न किया जा सका। "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में।" तब आप जानते है, कि आप कौन है। "जो चाहो मांगो, वह तुम्हे दे दिया जाएगा।"

78 क्या आज रात्रि यह आश्चर्यजनक ना होगा, यदि हर कोई प्रार्थना पंक्ति में आए कहे, "मै एक मसीही हूं, मुझ मे कोई दोष नहीं। मैं—मैं जानता हूं, मेरा ह्रदय मुझे दोषी नहीं ठहराता। आज रात्रि कोई चीज मुझ से कहती है यह मेरी पीड़ा का अंत है"? जो कि आप करने जा रहे है। आप यहां किस से किसी चीज के साथ जाएंगे। कोई मतलब नहीं आप कितनी भावुकता के साथ आते है, आप कितना करते है, यह काम नहीं करेगा, जब तक वह सिद्ध विश्वास प्रगट नहीं हुआ और स्वयं को आप मैं प्रमाणित नहीं किया, एक वस्तु के समान। और जब यह वहां है, तो फिर आपको इससे कोई नहीं हिला सकता।

79 यदि—यदि आपको कैंसर था और डॉक्टर ने आपको बीते कल बता दिया कि आप सोमवार सुबह से पहले मर जायेंगे, (आपका पूरा ह्रदय, आपकी सांस गई, कैंसर ने आपको खा लिया आपकी लहू के घारा पुरी कैंसर में हो गई, ये जो भी है); और कुछ इस वस्तु के साथ आता है इसका सच्चा विश्वास, सिद्ध विश्वास जो कुछ था आता है, आप में एक वस्तु बनाता है, आप उस डॉक्टर के मुंह पर हंसेंगे।

80 आप उस बूढ़े एलिय्याह के समान होगे, जब वह मुर्तो के सामने ऊपर नीचे जा रहा था और बोला, "थोड़ा ओर जोर से चिल्लाओ? और संभव है शिकार कर रहा हो।" उसे मालूम था कि वह क्या करने जा रहा है, क्योंकि

परमेश्वर ने उसे बताया था, कि क्या होने जा रहा था। उसने कहा, "वह ईश्वर जो आग से उत्तर दे परमेश्वर हो।"

81 वे कहते है, "हम इस प्रस्ताव को लेगे।" और उन्होने वेदी पर पानी डाला। और उन्होने—उन्होने अपने आप को घायल किया, उन्होने सब कुछ किया और बाल को पुकारा, "ओह! बाल! ओह बाल! उत्तर दे!"

82 एलिय्याह उतना ही शांत था जितना वह हो सकता था। उसने कहा, "थोड़ा और जोर से चिल्लाओ," कहा—कहा, "संभव है वह शिकार कर रहा हो, हो सकता है वह मछली पकड़ने गया हो। हो सकता है, वह कुछ कर रहा हो, आप देखिए कही बाहर गया हो।" वे बस... उनका उपहास उड़ाया, क्योंकि वह जानता था कि ये होने जा रहा है।

83 ओह, देखिए उसने हर चीज व्यवस्थित कर ली। वह वहां गया और बोला "अब्राहम, इसहाक और इस्राएल के प्रभु परमेश्वर!" उसने कभी भी *याकूब* का नाम नहीं लिया, "धोखेबाज।" उसने उसे *इस्राएल* कह कर पुकारा "राजकुमार परमेश्वर के संग।"

84 "अब्राहम, इसहाक और उस राजकुमार के प्रभु परमेश्वर (याकूब), आज ये मालूम हो जाये कि मैं तेरा दास हूं; और मैंने यह किया है, अपनी इच्छा से नहीं, ना ही अपने ढंग से परंतु तेरी आज्ञानुसार, मैंने यह किया है; आपकी इच्छा आपने मुझे बताया है कि क्या करना है, आपने मुझे दिखा दिया कि ये बातें यहां होगी। अब, मैं वेदी पर पानी उंडेलता हूं, मैंने हर चीज को आपकी आज्ञानुसार कर दिया है। अब, यह प्रगट हो!" और जब उसने ये कहा, आकाश से आग उतर पड़ी, वह इतना पक्का था कि ये गिरने जा रही थी, क्योंकि उसके पास वस्तु थी। क्यों? वचन ने ऐसा कहा है।

85 और यही बाइबल उसी परमेश्वर के वचन है। और जब आप उस वस्तु को प्राप्त कर सकते है (वह सिद्ध विश्वास); की ये प्रतिज्ञा जो परमेश्वर ने की है *आपकी* है।

86 "आप कैसा अनुभव करते है, भाई ब्रन्हम, जब आप वहां खड़े होते है आप देखते है विभिन्न ना भाषाओं और चीजों से लोग आते है? क्या आप डरते है? " नहीं, श्रीमान। नहीं, श्रीमान। उसने ऐसा कहा है! अब तक कभी नहीं डरा, क्योंकि उसने मुझ से ऐसा कहा है, और मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है।

87 यदि वह आज रात्री मुझ से कहे, राष्ट्रपति के कब्रिस्तान में जाओ और कल सुबह जार्ज वाशिंगटन को जिलाओ, मैं सारे संसार को निमंत्रण दूंगा, "आओ और देखो ये हो गया।" मैं कहूंगा, "हर—हर... आलोचक को बुलालो जिसे बुला सकते हो और पास में खड़ा कर लो, तुम परमेश्वर की महिमा देखने जा रहे हो, अपनी कुर्सी वहां रख लो जहां बैठ सकते हो, और थोड़ी देर रुको; वह कुछ ही क्षणों में यहां पर होगा, जैसे ही मैं पुकारूंगा।"

88 उस रात्री फ़िनलैंड में वह छोटा लड़का, बल्कि उस दिन; वहां मरा हुआ पड़ा था, वहां आधे घंटे से कुचला पड़ा था, खून उसकी आंखों, नाक और कानों से बह रहा था उसके छोटे पैर टूट गये, उसके मौजों के अंदर; और उसका पैर मोजे के किनारे से बाहर निकला हुआ था, उसके जूते खत्म हो गये। मैंने देखा और मैंने सोचा, "कि ये वही लड़का होना चाहिये।" मैंने कहा, "बाइबल के पीछे देखो, भाई मूर।"

89 हमारे साथ भाई लिंडसे, भाई मुर वहां पीछे देखें: "'और यह घटित होगा,' प्रभु ने कहा," (ओह, प्रभु!) "'एक देश होगा जहाँ बहुत सारे मोर पंखी के वृक्ष होगे, बहुत सारी चट्टाने सटी होगी। एक छोटा लड़का जिसके बाल कटे हुये, छोटी पेंट, यहां तक बटन लगे हुये और उसके पैर... उसके मोजे ऊपर तक खींचे हुये। उसकी बुरी आंखें होगी, वे वापस पलटेंगे वह एक वाहन दुर्घटना में मारा जायेगा। परंतु तू अपने हाथ उस पर रखना और वह वापस जीवित हो जाएगा।'"

90 ये वहां लिखा हुआ था। वहां वह पड़ा था, आमीन, वचन की प्रतीक्षा कर रहा है। मैंने कहा, "यदि ये लड़का कुछ मिनटों में ना जीवित हुआ, तो मैं झूठा भविष्यवक्ता हूं, मुझे फिनलेनड से भगा देना। परंतु यदि वह जीवित हो जाये तो मुंह के बल हो कर प्रायश्चित करना!"

91 मैंने कहा, "मृत्यु तू इसे पकड़े नहीं रह सकती।" मैं परमेश्वर के वचन के अनुसार इसकी आत्मा को बुलाता हूं, "यीशु मसीह के नाम में," वह कूद कर खड़ा हुआ। सीधा! समझे? ओह, प्रभु! विश्वास, देखिये, पकडे है। परमेश्वर ने ऐसा कहा, ये वहां है!

92 अब, ये परमेश्वर इन दिनों में दर्शनों के द्वारा बोल रहा है। परंतु यह: यदि यह दर्शन *इसके* विरुद्ध है, तो यह गलत होगा; *यह* दर्शन से अधिक

है। यदि दर्शन वचन से मेल नहीं खाता, तो इसे छोड़ दें; यह परमेश्वर का नहीं है, परमेश्वर अपने वचन के विरोध में नहीं होता।

इसलिए यदि यह, वचन आपको कुछ बताता है, तो आप उसी विश्वास को ले सकते है, तब क्या होने जा रहा है। वहां कुछ नहीं है... यदि ये कहे, "वे बीमार पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जायेंगे"; ठीक है, भाई, यदि विश्वास वह सिद्ध विश्वास उसे पकड़ ले, आप... जब आप इस प्रार्थना पंक्ति में से हो कर निकलेंगे, आप कूदते, और चिल्लाते जब तक कि आप... जब आप यहां से छोड़ेंगे, "ये पूरा हो गया!" ये पूरा हो गया! ये सब पूरा हो गया! ये समाप्त हो गया! यदि आपके हृदय में निवेदन था, और ये विश्वास की जब इसके लिये प्रार्थना करी गयी इसके लिये, तो इसका उत्तर आ रहा है इसमें वार्तालाप का कुछ नहीं है, ये होने जा रहा है; जैसे लहू बहने वाली स्त्री का।

93 यीशु के पास सिद्ध विश्वास था। उसके—उसके पास था ये आया क्योंकि वह वचन था, और आप वचन हो गये; आप वचन हो गये; जैसा ही आप वचन हो को प्राप्त करते है, "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में, मेरा वचन जो... " (*यह* वचन) "आप में बना है, तो जो चाहो मांगो, ये तुम्हारे लिये हो जायेगा।" समझे? यदि तुम इस पहाड़ से कहते हो 'हट जा,' और संध्या ना करो और जो तुमने कहा, उसमें विश्वास करो, तो जो तुमने कहा। तुम्हें मिल जायेगा, जब तुम प्रार्थना करो तो विश्वास करो, जो तुमने मांगा तुम्हें मिल गया है, और तुम्हें मिल जायेगा; ये तुम्हें दे दिया जायेगा।" इसे समय दूरी कुछ भी इसे नहीं बदल सकेगा। आप जानते है यह हो गया, यह पहले ही हो चुका।

94 अब, ध्यान दें! अब, और उसने हम से कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में," यहां संत यूहन्ना, "आप मांग सकते हो जो आप चाहो, यह हो जायेगा।" तब अपनी स्थिति को वचन में पहचाने, एक विश्वासी के समान आपको अपनी स्थिति को पहचानना है। जैसे उसने अपनी स्थिति को पहचानना।

95 "क्या ये नहीं लिखा कि मसीहा आयेगा, और सब जो मसीह करेगा? " उसने किल्योपास और उन से उस प्रातः कहा, "क्या ये वचनों में नहीं लिखा, कि उन्हें करना होगा... कि उसे दुख उठाना होगा... तब मारा जायेगा और तीसरे दिन भी उठेगा? " कहा, "क्यों तुम मंद मतियो? "

96 और उन्होंने सोचा, "यह व्यक्ति और लोगों से थोड़ा मित्र बोलता है।" जब वे सराय आया में पहुंचे उन्हें मालूम पड़ा, ये वह था देखिये उनकी आंखे उसकी ओर से बंद थी। देखिये, वे जान गये कि वह उस वचन पर आधारित है और उन्होंने जाना कि ये वह था।

97 जो आपने मांगा आपको विश्वास करना चाहिये, यदि आप एक विश्वासी है, अपने आपको को विश्वासी के समान पहचाने कि ये चीजें आपके लिये है।

98 यदि आपके जीवन में दोष है, पहले उसे ठीक कर ले। समझे? यदि आप में कोई दोष है... मैं... या आपके पास ओरल रॉबर्ट हो सकता है और दूसरे दर्जनों लोग जिनके पास यहां आने के लिये विश्वास हो, और आप पर प्रार्थना करें और ऊपर नीचे कूदे, और आपके ऊपर गेलनो तेल उंडेलले ये फिर भी यह—यह नहीं मिलेगा, यहां। ठीक बात है।

99 कितने ओरल की समाओ से निकल कर इस पर आये? मैंने उन्हें प्रार्थना पंक्ति में पकड़ा। आपने उसे कहते सुना, "इस से पहले आप पर प्रार्थना हो चुकी है। एक पुरुष काले बालों के साथ, लंबा चौड़ा, बड़ा जबड़ा।" यही ओरल रॉबर्ट है। समझे? "और ये किसी *निश्चित* नगर में था; *निश्चित, निश्चित* बाते कही।"

100 "जी हां, ये ठीक बात है।" समझे?

101 "आप पर *अमूक–अमुक* व्यक्ति द्वारा प्रार्थना की गई है।" देखिए, इस प्रकार से। "परंतु यह यहां है। यहां आपकी परेशानी है।" समझे? "जाइये मामले को ठीक करे, जाकर और स्वीकार करे ये आपके पति के प्रति पाप है, आपकी पत्नी के प्रति। जाकर *ये* करे।" यह आपका कभी भी भला नही करेगा, कोई मतलब नही आपके लिए कौन प्रार्थना करता है जब तक आप वह सही नही कर लेते। आपके ह्रदय में दोष है, परमेश्वर ऐसे ह्रदय में नहीं आएगा, दोषी में। समझे? परमेश्वर इसमे नहीं रहता; आपको इसे ठीक करना होगा। तब जब आप ये करते है, आपके पास विश्वास होना चाहिए। यदि सारी चीजे ठीक है, आपके अंदर भरोसा और विश्वास होना चाहिए। डरे ना।

102 अय्यूब की पुस्तक में; यहां यह कहता है, "अय्यूब डर गया।" और किस से डर गया यह वास्तव में हुआ। इसे क्या चीज लायी? उसका भय। यही जिससे यह घटित हुआ। उसके विश्वास ने उसे इससे अलग रखा होगा, परंतु उसका भय उसे लाया... उसे उसके पास लाया वह डर गया

था, कि यह होने जा रहा था और यह हो गया। अब, यदि—वह जान लेता, कि यह नहीं होगा, तो यह नहीं होता। देखा, मेरा क्या अर्थ है?

103 यदि आप डरे हुए है, जब आप प्रार्थना पक्ति में आते है, "हो सकता है मेरे पास पर्याप्त विश्वास ना हो"; यह कभी नही होगा, चिंता ना करे। समझे? परंतु यदि आप जानते है कि यह होने जा रहा है, यह होगा। समझे? देखिए ये किसी चीज की वस्तु है। अय्यूब डरा हुआ था कि ये चीजे उस पर आ पडेगी, और वे आ गई। यदि आप डरे हुए है कि यह बीमारी आपको छोडने जा रही है... या नही छोड़ेगी आपको, यह नही होगा। यदि आपको विश्वास है, कि यह होगा।

104 आप किसी चिकित्सा डॉक्टर से पूछे। पहली चीज जो वह करने का यत्न करेगा कि आपका विश्वास दवाई पर लाये जो वह दे रहा है। यदि आपका उस पर भरोसा नहीं है, तो अच्छा है आप इसे छोड़ दे। समझे? निश्चिय ही! तो फिर यह क्या है; यह विश्वास है जो सारे समय करता है।

105 पतरस, वह ठीक कर रहा था जब तक वह डरा, वचन ने उसे बताया, वह पानी पर चल सकता है। वह पहले डर गया था, उसने सोचा यह एक भूत था, और उसने कहा, "प्रभु, यदि तू है तो मुझे पानी पर तेरे पास आने की आज्ञा दे।"

106 कहा, "आ जा।" अब, यह वही है जैसे याकूब 5:14 वैसे ही जैसे मरकुस 16। उसी परमेश्वर ने यह कहा है, "आ जा।" और इसलिए उसने चलना आरंभ कर दिया। उसने सब ठीक किया, नाव से बाहर कदम रख दिया चलने लगा...

107 वह समुद्र में तूफान था आप जानते है; महान झागदार लहरे, यहां आस–पास की पहाड़ियों से बड़ी, उनके ऊपर झाग थे, भयानक हो सकता पंद्रह, बीस फीट की झाग वाली लहरे चढ रही थी। और उसके लिए यह भयानक बात थी कि उससे कहे, "यदि यह तू है, प्रभु... " देखिए वह ऐसा दिखाई पड़ रहा था की परछाई या एक आत्मा। उसने कहा, "यदि यह तू है, तो मुझे पानी पर अपने पास आने की आज्ञा दे।"

108 यीशु ने कहा, "आ जा।"

109 और उसने अपना कदम नीचे रखा कहा, "ये तो प्रभु है, मैं बस चलूंगा।" परंतु जब उसकी आखो ने लहरो को देखा, वह डर गया। उसके विचार में क्या आया? पहली चीज, वह... "क्योंकि वचन ने मुझसे कहा इसलिए

मैं चलने जा रहा हूं।" और अगली चीज, उसने देखा कि वह... अच्छा उसने जब अपने लक्षण देखे; उसने वहां देखा कि वह लहरे कितनी बड़ी थी और वह डर गया; और जब डरा, वह डूबने लगा। समझे? जिससे वह डरा, हो गया! जो उसने विश्वास किया, वह हो गया! जब उसने विश्वास किया वह चल सकता है, वह चला और उसने विश्वास किया और डर गया अपने विश्वास में; तब वह वस्तु उसे छोड़ गई। समझे? वह अब भी अपना विश्वास दिखा रहा था परंतु उसके पास वह वस्तु नहीं थी। वह वस्तु तो झाग वाली लहर के ऊपर चली गयी, देखिए, यदि उसके पास सिद्ध विश्वास था। समझे? परंतु यह उसके पास नहीं था, उसने सोचा उसके पास है, पहले था, वह जोखिम लेने की चाह में था, "क्यो *प्रभु* ने मुझसे करने को कहा है, यह होना ही है।" इसलिए उसने कदम नाव से बाहर रख दिया और बढ चला। उसने लहरो के विषय में कभी नहीं सोचा, वह कितनी विरोधात्मक थी। उसके विचार में यह कभी नहीं आया।

110 अब, जब आप अपने विचारो पर आते है, "ठीक है, अब प्रतीक्षा करे और आप जानते है, कि मैं लंबे समय से बीमार हूँ.... " एक जाओ! अधिक अच्छा है कि आप वापस नाव में चले जाये। समझे? समझे? परन्तु जब आप सोचना छोड़ दे।

111 "अब्राहम ने अपनी देह का विचार नहीं किया, अब मरी... ना ही सारा के गर्भ की मरी सी दशा।" उसने इस विषय पर नहीं सोचा, यहां तक कि विचार भी नहीं किया। यह उसकी समझ में भी नहीं आया। उसने इसका विचार तक नहीं किया; उसने जो परमेश्वर ने कहा उसी को सोचा, और वह बढता गया। जब तक पतरस ने यह किया, वह चला।

112 परंतु यीशु संसार में जीया और इस विषय में कोई नहीं जान पाया, वह एक अनोखा व्यक्ति था। वह सिद्ध परमेश्वर में सिद्ध विश्वास के संसार में जीया, जिसमे कि वह था। यदि हम मसीह के सिद्ध विश्वास में जिए जो हम है तो हम संसार के लिए एक रहस्य होगे; लोग आपको समझ नही सकेगे। आप आत्मा में चलेगे। जो आत्मा ने कहा आप वह करेंगे। जिसे मना किया, आप वह नहीं करेंगे। तब लोग कहना आरम्भ करेंगे... वे... आप उनके लिए रहस्यमयी व्यक्ति होगे।

113 इसी प्रकार यह सब विश्वासियो के लिए है, वे रहस्यमयी है। लोग उन्हे नही समझते, क्योंकि वे अपने ही संसार में जीते है, यीशु ऐसे संसार में

रहा जिसे कोई और नहीं छू सकता था। चेले उसे नहीं समझ पाए, जब वह उनसे बोला वे *यह* कहते, और तब उन्होने कहा, "तू क्यो दृष्टांतो में बाते करता है! हम यह नहीं समझते। ये कैसे हो सकता है? " देखिए, वे उस संसार में नहीं थे, जिसमे वह रहा, देखिए। वे उसे नहीं समझ सके, उसे कोई नहीं समझ सका।

114 और इसलिए जब एक मनुष्य विश्वास से जीता है और विश्वास के द्वारा चलता है, मेरा अर्थ वस्तु विश्वास, वह सारे संसार से अलग हो जाता है, और मसीह में नई सृष्टि बन जाता है। वहां आप दुल्हन पदार्थ में आ रहे है। समझे? समझे? समझे? आप उठा लिए जाने वाली अवस्था में आ रहे है। अब इसका अर्थ हम में से प्रत्येक के लिए, ना कि बस पास्टर, डीकन, ट्रस्टी। इसका अर्थ जनसाधारण के लिए, हर व्यक्ति इस संसार में केवल परमेश्वर के साथ चलता है। आपका इस राज्य में बपतिस्मा हुआ है, और वहां आपके और परमेश्वर को छोड और कोई नहीं है। समझे? वह आज्ञाये देता है और आप उन्हे स्वीकार कर लेते है वह जो भी कहता है उसमें कहीं भी संदेह की संभावना नहीं है आप सीधे बढते चले। यदि प्रभु *ये* कहता है, तो संसार में आप से इसके बाहर कोई बात नहीं कर सकता, आप सीधे वैसे ही चलते रहते है। अब आप सिद्ध विश्वास में आ रहे है, सिद्ध सिद्धता *जो* असफल नहीं होता। जी हां, वह अपने सिद्ध विश्वास के साथ उनके लिए रहस्यमई था; और ऐसा ही अब उनके साथ है जिनके पास सिद्ध विश्वास है, दूसरो के लिए रहस्यमयी है।

115 हमें सिखाया गया है कि "शैतान का सामना करो, और वह हमारे पास से भाग जाएगा।" अब *सामना* करना सादगी में, "उसे अस्वीकार करना"; बस उसका *सामना* करो जो कि "बस इस से अलग चले जाना।" परमेश्वर ने एक निश्चित बात; कही कोई मतलब नहीं वह आप से क्या कहने का यत्न कर रहा है, आप उसकी सुने भी नहीं। आप... आपके कान किसी भी चीज के लिए बहरे है सिवाय जो आत्मा कहता है। समझे? "वह जिसके पास कौन है (जो सुनते हैं) देखिए, आत्मा कलीसियाओ से क्या कहता है"; वह जिसके पास सुनने की नियुक्ति है, जो आत्मा की बात को समझता है कि कलीसिया से क्या कहता है। समझे?

116 शैतान क्या कहता है, "भाई मैं नहीं सकता... " इसका कोई लेना–देना नहीं... "अच्छा, यदि आप *ये* सिखाते है, नामधारी आपको... " इसका

उससे कुछ लेना–देना नहीं, वह सीधा बस वैसे ही चलता है।

117 "वह जिसके कान है, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।" बाइबल में आप जानते है, सदा बराबर कहा जा रहा है, कि "उस से जिसके पास विश्वास है, वह जिसके पास सुनने के कान है, वह सुन ले।" समझे? "वह जिसके पास बुद्धि है वह उस पशु का अंक जोड़ ले।" ये सारी विभिन्न बातें। "वह जिसके पास ये है, बाकियो को भी बता दे ताकि उनके पास भी हो जाए।"

118 और ये विश्वास के द्वारा, हम अब विश्वास के विषय में बाते कर रहे है, विश्वास जो आपके पास होना चाहिए वह सिद्ध विश्वास; वह विश्वास जो, "हां!" कहता है वहां "नहीं" कहने के लिए कुछ नहीं है। जब परमेश्वर कहता है, "हां।" समझे? जब वह कहता है "हां," तो ये "हां!" है। और कभी भी कोई इसे आपसे नहीं ले सकता।

119 उसके सिद्ध विश्वास के साथ, वह बहुत ही विचित्र था। और शैतान उसके आसपास अधिक समय तक रुकता था। यह हमने आज प्रातः के पाठ में लिया, जब वह एक बड़े धोखे के साथ आता है, बुद्धि के विचार के साथ, वह यीशु के विरोध में धोखा देता है, वह जब आता है, और उसे मालूम पड़ता है उसने हजार वोल्ट के बहाव को छू दिया; उसे फिर से वापस फेंक देता है। जी हां, श्रीमान। उसने कहा, "यह लिखा है, मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा!" व्यूह तब उसे झटका लगा।

अगली बार थोड़ा और नम्र बन कर आया, जब उसने कहा, "अब तुम एक महान पुरुष हो, कुछ होने के लिए तुम अपने में घमंड कर सकते हो।"

120 कहा, "शैतान मुझ से दूर हो।" ओह, प्रभु, वह किस से मिला! और, "तू अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा न कर।" देखिए, उसने शैतान को प्रमाणित कर दिया कि वह प्रभु परमेश्वर था। "क्योंकि यह लिखा है 'तू परखेगा नहीं... '"

121 अब, यदि—यदि शैतान को मालूम नही हुआ कि वह प्रभु परमेश्वर था, नहीं तो वह कहता, "एक मिनट रुको, तू कोई व्यक्ति नहीं है।" परंतु वह अधिक अच्छा जानता है बजाये कि उस से बहस करे।

122 वह जान गया कि उसे कहां खड़ा होना है। उसने कहा, "तू अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा ना ले।" और वह यही था। और ये कहने के बजाये

शैतान अच्छी तरह जानता था, क्योंकि यीशु के कार्य ने पहले ही सिद्ध कर दिया था कि वह तेरा प्रभु परमेश्वर था।

123 अब ध्यान दे, दूसरा, सिद्ध विश्वास सारे परिस्थितियो पर अधिकार रखता है। विश्वास सारी परिस्थितियो पर अधिकारी होता है। कोई मतलब नहीं वह क्या है, ये अधिकारी है। अब, जरा ध्यान दे! जब आप किसी चीज का विश्वास करते है कुछ करते है; और आप जो कर रहे है, उस में विश्वास करते है; कोई मतलब नही क्या परिस्थिति है, तो इसका उससे कोई लेना–देना नहीं है। देखिए, यह उस परिस्थिति पर अधिकार रखता है। यदि यह बीमारी का कमरा है, और प्रभु प्रगट करता है कि अमुक चीज घटित होने जा रही है, आप इसे बोलते है और आगे बढ़ जाते है।

124 "ओह, क्या वह... ?" बस कोई प्रश्न नहीं करता, यह पहले ही हो गया होता रहता है। समझे? यह सारी परिस्थितियो पर अधिकार रखता है। "ठीक है, यदि आप *यह* करते है, *अमुक–अमुक* इसे करने जा रहा है... " कि... आप देखिए, यह पहले ही अधिकार कर चुका। समझे?

125 विश्वास को भरोसा होता है कि परमेश्वर इसे कर देगा। "मैं नहीं जानता कैसे, वह इसे करने जा रहा है, परंतु जो भी है वह इसे करेगा।" समझे? यह सारी परिस्थितियो पर अधिकारी है।

126 और विश्वास और प्रेम का संबंध है, क्योंकि आप विश्वास नही कर सकते जब तक आपको प्रेम ना हो, क्योंकि आपका विश्वास परमेश्वर में है, जो कि प्रेम का सार है। विश्वास और प्रेम एक साथ कार्य करते है।

127 यहां, जैसे कि एक युवा जोड़ा है। आप एक युवा पुरुष और युवा स्त्री को ले और वे प्रेम करते है... उन्हे एक दूसरे से प्रेम हो गया। और जैसा कि वे साथ–साथ चलते है और एक दूसरे को और अधिक जानने लगते है, उनके ह्रदय एक ही धड़कन से धड़कते है। समझे? वे –वे... अब भी पति पत्नी नहीं है, परंतु उनके प्रेम ने एक दूसरे को बांध रखा है, और उन्हे एक दूसरे में विश्वास है। अब यदि वे वास्तव में एक दूसरे से प्रेम करते है वास्तविक प्रेम, और आप जानते है यह लड़की आप से प्रेम करती है, और—और—और वह जानती है कि आप उससे प्रेम करते है, आपको पूरा भरोसा है (एक दूसरे में विश्वास) यदि आपको एक दूसरे पर विश्वास है; यदि आपको नहीं तो अच्छा है कि आप उससे विवाह ना कर करे। समझे?

128 ध्यान दे, आपको विश्वास करना ही है। आप उन्हे अलग कर दो एक को दक्षिण और दूसरे को बिल्कुल उत्तर में, वहां अब भी प्रेम एक दूसरे के लिए धड़कता है, कोई मतलब नही वे कहां पर है। वे एक दूसरे के प्रति सच्चे है, जितने वे हो सकते है, क्योंकि वे एक दूसरे से प्रेम करते है। और यदि आप प्रभु से प्रेम करते है, ना कि केवल नरक से बचने का यत्न कर रहे हैं, परंतु आप प्रभु से प्रेम करते है, तब आपका विश्वास परमेश्वर में है; देखिए, यदि आप उस से प्रेम करते है।

129 जैसे एक युवा लड़की... ये लुईसविल में हुआ, अधिक समय नहीं हुआ, एक स्त्री वह बहुत वर्षो से एक मसीही थी, और उसका पति हाल ही में... उसे प्रेम हो गया, वह इस पुरुष से प्रेम करने लगी। वह कुछ ही वर्षों से मसीही था। और इसलिए उन्होने विवाह कर लिया; उन्होंने प्रेम किया और एक दूसरे पर विश्वास किया, और उन्होने विवाह कर लिया। इसलिए, स्त्री ने पुरुष से कहा, "प्रिय ये आपके लिए कठिन होगा, आप एक युवा मसीही है, आपको बहुत सारी चीजो में से होकर निकलना होता है।" यह वह पीना था। कहा, "आपको बहुत सी बातो में होकर निकलना होता है।" और कहा, "मैं जानती हूं तुम पर बहुत कठिन परीक्षा आ सकती है।" और कहा, "मैं चाहती हूं कि तुम एक बात जान लो अब। अब यदि आप गिर जाते हो, यदि आप परीक्षा में गिर जाते हो और उभर आते हो, तो घर से दूर मत रहना; आप वापस आ जाना। आप सीधे यहां आ जाना, क्योंकि मैं ठीक यहां आपकी प्रतीक्षा कर रही हूं, और मैं प्रार्थना में आपकी सहायता करुंगी जब तक तुम जयवंत ना हो जाओ। मैं तुम्हारे साथ रहूंगी, क्योंकि जब मैंने तुमसे विवाह किया, मैंने विवाह किया क्योंकि मैंने आप से प्रेम किया है। कोई मतलब नही आप क्या है, मै अब आपसे प्रेम करती हूं।"

130 इसके कुछ दिनों के बाद, वह बॉयलर के कमरे में बैठे हुए अपने साथियों के साथ दोपहर का खाना खा रहा था, वह इस विषय में उनको बता रहा था, कहा, "कैसे कभी कोई पुरुष कोई गलती कर सकता है, जब कोई आपसे इस प्रकार प्रेम करता है? " समझे?

131 आप उसी स्थिति में है। आप कैसे—कैसे उस विश्वास को तोड़ सकते है?

132 और जब हम पापी और अलग थे, बिना परमेश्वर के; इस संसार में उस दलदल कीचड़ में, जैसा मैने इस सुबह बात की, परमेश्वर हमारे पास

आया! परमेश्वर ने आपको खोजा। आपने परमेश्वर को कभी नहीं खोजा। "कोई मनुष्य मेरे पास नही आ सकता, सिवाये की पिता पहले उसे खींच ना ले।" और परमेश्वर इस कीचड़ में आया आप जो थे और आप को खोजा और निकाल कर लाया! इससे सिद्ध विश्वास उत्पन्न होना चाहिए। देखिए, आप क्या थे, और देखिए आप क्या है। ये किसने किया? कोई जिसने आप से प्रेम किया! क्या आप उसमें विश्वास नहीं कर सकते, जो प्रतिज्ञा आपसे की है, तब? वास्तविक सच्चा प्रेम उसके वचन में विश्वास उत्पन्न न करेगा।

133 उसने मुझे पकड़ा, जब मैं कुछ नहीं था। मैं अब भी कुछ नहीं हूं, परंतु मैं उसके हाथ में हूं। देखिए, उसने मुझे पकड़ा। और उसने मुझसे प्रेम किया। जब मैं प्रेम के योग्य नहीं था। उसने आप से प्रेम किया जब आप प्रेम योग्य नहीं थे, उसने आपको बदल दिया। जैसा की अश्वेत बहन ने कहा, उस समय अपनी गवाही में, उसने कहा, "मैं—मैं वह नही हूं जो मुझे होना चाहिए, और वह नहीं जो मैं होना चाहती हूं, तब मैं वह नहीं जो मैं हुआ करती थी!" वह जान गयी कि वह कहीं से आयी है कुछ घटित हुआ है। और यह इसी प्रकार से है। यदि परमेश्वर, जब मैं उस से अनजान था, इतना प्रेम किया, यहां तक कि नीचे झुक गया कि मुझे ऊपर उठा ले, यह मुझे भरोसा देता है कि वह मेरा उपयोग करना चाहता है। यह करने में उसका उद्देश्य है। उसने मुझ मैं कुछ देखा। उसने आप में कुछ देखा। आपको बचाने में उसका कोई कारण था उन लोगो को देखे, जो आज बचे हुए नहीं हैं, उन लाखों को देखें जिन्हें वह हमारे बदले ले सकता था, परंतु उसने आपको लिया। अमीन! आपका स्थान कोई और नहीं ले सकता आमीन! आप परमेश्वर की व्यवस्था में थे। ये कोई और नहीं कर सकता। यह *आपके* लिए उसका प्रेम है।

134 तब, क्या आपका प्रेम उस की ओर नही पलटेगा? और वहां एक प्रेम संबंध है। कोई मतलब नही स्थिति क्या है, यह परिस्थितियां उसके इस प्रेम के द्वारा नियंत्रित है, जो विश्वास उत्पन्न करता है: कि परमेश्वर आपसे प्रेम करता है और आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं और आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं, और—और ये विश्वास को लाता है। ठीक है। तब यह नही सकता तब यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा को कि वह करेगा उसे रोक नहीं सकता।

135 अब ध्यान दें! सिद्ध विश्वास शुद्ध है, ऐसा ही शुद्ध जैसा प्रेम। समझे? अब आप जब किसी से प्रेम करते हैं और आप... आप अपने पति से प्रेम करते है या आप अपनी पत्नी से प्रेम करते है। अब, किसी को कोई आवश्यकता नही कि आप को बताये, कि "आप यह ना करे" क्योंकि आप ये करते है, और आप यह जानते है, कि आप ये करते है।

136 अब, यदि मैं आपसे पूछु, "आप कैसे सकते है—आप सिद्ध करे, कि आप यह करते है? "

137 "ओह, जिस प्रकार में जीता हूं उसके द्वारा मैं यह सिद्ध करता हूं।" समझे? "मैं एक सच्ची ईमानदार पत्नी हूं, मैं एक निष्कपट ईमानदार पति हूं, और ये मुझे विश्वास मुझे सिद्ध करता है कि मैं—मैं अपनी पत्नी से प्रेम करता हूं; मैं मेरे पति से प्रेम करती हूँ।" देखिए, आपका जीवन सिद्ध करता है कि आप क्या है, वही चीज मसीहत करती है। समझे? आपका विश्वास, आपको एक दूसरे में भरोसा है, यहां शुद्ध है। यह कुछ वास्तविक है, कि आप इसे किसी और को नहीं दिखा सकते, फिर भी आपके पास है, और आपका काम इसे प्रमाणित करता है।

138 और जब आपके पास शुद्ध बिना मिलावट का विश्वास है, जैसा कि आपका प्रेम आपके साथी के लिए, तब आप इसे अपने व्यवहार से सिद्ध करते है, आप और अधिक शिकायते नहीं करते, आप जानते है कि यह हो गया, बस साथ–साथ चलते है। कोई मतलब नहीं चींजे कैसी दिखाई पड़ती है, कोई क्या कहता है, आप जानते है कि क्या हुआ है। आप जानते है कि यह समाप्त हो गया है; ठीक वैसे ही जैसा जानती है कि आप अपने पति से प्रेम करती है, उतना ही अच्छा कि आप जानती है कि आप प्रेम करती है, देखिये प्रेम और विश्वास को साथ–साथ चलना है, वे रिश्ते में है, वे प्रेम करते है! प्रेम, विश्वास उत्पन्न करता है।

139 जब शैतान हमे परखता है, हमे उसका सामना सिद्ध विश्वास सिद्ध वचन में करते हैं, जैसा यीशु ने किया। परमेश्वर का वचन सिद्ध है। हमें उसके सिद्ध वचन में सिद्ध विश्वास होना चाहिए, और शैतान का सामना।

140 अब हम जल्दी करेंगे, जितनी जल्दी हम कर सकते है।

141 उसके वचन में उसके विश्वास के द्वारा हम (वह जीतता है) हम किसी भी चीज पर जयवंत हो सकते है; मृत्यु नरक और कब्र दोनो पर। हम जानते है परमेश्वर, परमेश्वर है वह सिद्ध विश्वास परमेश्वर के सिद्ध वचन में वह

जिसके भी संपर्क में आया, उसने हर चीज को जीत लिया। यहां तक की मृत्यु उसकी उपस्थिति में ठहर नही सकती। बीमारी उसकी उपस्थिति में टिक नही सकती। उसमे से सदगुणों की नदियां बहुत है, निरंतर सदगुण उसके वस्त्रो से बहुते रहते है। वे लोग जो उसकी छाया में पड़े रहते है; कदम भार कर अपनी उंगली से उसके वस्त्र को छूते है और चंगे हो गए थे। जब उस स्त्री ने यह किया, तब हर कोई उसके वस्त्र को छू लेना चाहता था, क्योंकि उन्होने देखा सद्गुण उसके वस्त्रो से लगातार बहता रहता है, नदियो के समान बहता है। वहां वह जा रहा था, संसार में सिद्ध विश्वास के साथ जा रहा था, क्योंकि वह वचन था।

142 और अब, "यदि तुम मुझ में बने रहो," उसमे होकर, वह आपके पास वचन लाया; "और मेरा वचन तुम में बना रहे," तब उसी प्रकार के मार्ग में चलो: सदगुण तुम में से बहेगा परमेश्वर की आशीषो की नदी लोगो की ओर बह रही है। मेरा क्या अर्थ है? और आप इसे धोखा नहीं दे रहे है, आप इसकी कल्पना नही कर रहे है। यह वास्तव में घटित हो रहा है, और आप इसे देखते है। यदि आप बस कल्पना कर रहे है, तो यह कुछ भला नही करेगा; परंतु यदि यह वास्तव में वहां पर है, तो यह वास्तव में हो गया।

143 अब ध्यान दे! इसके द्वारा देखे, जब वो खड़ा हुआ और उसने कहा, "यदि तुम इस को नष्ट करते हो (इस मंदिर को) मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूंगा।" क्यो? वह ऐसे ही संतुष्ट था कि वह ये यह करेगा, क्योंकि वचन ने कहा कि वह यह करेगा (मसीहा): "मैं प्राण अधोलोक में ना छोडूंगा, ना ही अपने पवित्र जन को सड़ने दूंगा।" एक भविष्यवक्ता जिसके पास वचन आता है, ने कहा कि यह घटित होगा और उसे मालूम था कि वह वही व्यक्ति है।

144 और जब... यीशु ने स्वयं कहा, "विश्वास की प्रार्थना बीमार को बचा लेगी," या "वे अपने हाथ बीमार पर रखेंगे और वे चंगे हो जाएंगे।" यदि...

आपके पास वही सिद्ध भरोसा होना चाहिए कि "जब हाथ मुझ पर रखे जाएंगे, मैं चंगा हो जाऊंगा," क्योंकि उसने ऐसा कहा है।

145 उसने कहा, "तुम इस शरीर को नष्ट कर दो, मैं इसे उठा खड़ा करूंगा," क्योंकि उसे मालूम था कि वह मसीहा था, "मैं अपने पवित्र जन को सड़ने ना दूंगा"; वह जानता था कि वह पवित्र जन है। "ना ही उसके प्राण को

अधोलोक में छोडूंगा"; उसने नही छोड़ा, उसे मालूम था कि वह ये करेगा। उसे भरोसा था कि वह मृत्यु और अधोलोक को जीतने के लिए वहां पर था, कहा, "उसे नष्ट कर दो, यदि तुम चाहो, मैं इसे फिर से तीन दिनो में उठा खड़ा करूंगा।" ओह! "मुझे अधिकार है कि मैं अपना जीवन दे दू या मेरे पास अधिकार है कि इसे फिर से वापस ले लू"; उसे मालूम था कि वहां कौन था।

146 आप एक मसीही है। आपके पास किसी भी छुटकारे की आशीष है जिसके लिए यीशु मरा। यह सब आपका है! इसका आपके लिए पहले ही भुगतान हो चुका है, आपको बस इसका विश्वास करना है। इसकी कल्पना नहीं; वस्तु इसका विश्वास और जान ले कि ये आपका है और इस पर अधिकार कर सकते है। ओह! यह जीतने वाला विश्वास है; जानते है! जी हां।

147 उससे पहले ही मालूम था कि यह होगा। वह इसकी भविष्यवाणी कर सकता था कि ये होगा, क्योंकि उसे मालूम था कि यह घटित होगा और जो भी उसने पहले से बताया, हो गया। अब ध्यान दे! उसने जो भी कहा उसने जो कहा परमेश्वर ने उस बात का आदर किया इस पर सोचे! यीशु ने जो भी कहा, परमेश्वर ने उसे घटित कर दिया उसे मालूम था कि उसके वचन परमेश्वर के वचन है। अब, देखिए! वही वचन ठीक हम में फिर से वापस आया है, "यदि *तुम* इस पहाड़ से कहो।" ओह, प्रभु! मैं—मैं इसे आपके अंदर बैठा दू, आप देखिए, क्योंकि हम प्रार्थना पंक्ति लेने जा रहे है। हम भक्त मंडली को विसर्जित कर देंगे और बीमार के लिए प्रार्थना करेंगे, वे जो चाहते है कि... जाना है।

148 देखिए! वह जानता था कि उसने परमेश्वर को प्रसन्न किया है। उसे मालूम था कि उसके जीवन में कुछ नहीं था। परमेश्वर ने पहले ही उसकी गवाही दे दी थी, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं प्रसन्न हूँ, इसकी सुनो! यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमे रहने के लिए मैं प्रसन्न हूं," उसके बपतिस्मे के दिन। "मैं यहां अपना निवास करने के लिए प्रसन्न हूं, वहां उस पर कोई दोष नहीं बिल्कुल नहीं।"

149 अब, जब वही परमेश्वर आपके पास आता है, और आप में रहने के लिए प्रसन्न हो, आपके वचन का आदर करने को प्रसन्न हो, कि आपका निर्णय क्या है... यहोशु का निर्णय क्या था? "सूरज तू रुक जा!" और ये

वही पर रुक गया। आमीन! निश्चित ही! मूसा का निर्णय क्या था? अपनी छड़ी को नदी पर *इस* प्रकार रखा फिर "खुलने!" के लिए कहा। और यह खुल गई! देखिए, तुम जो भी मांगो। "और यदि तुम इस पहाड़ से कहो 'हट जा,' और संदेह ना करो, देखिए, अपने हृदय में, परंतु विश्वास करे कि जो भी आपने कहा घटित हो जाएगा, तुमने जो कहा, तुम वह आ सकते हो।" ये वापस *आपको* वचन में ले आता है। अब ये पतला दूध नही है। समझे? यह *आपको* वापस ले जाता है। मैं जानता हूं कि यह आपके ऊपर से निकलने वाला है, हो सकता है, देखिए, क्योंकि यह लंगर नही डाल सकता। परंतु वास्तविक सच्चा विश्वास इसे पकड़ता है। ठीक इसी समय।

150 मित्र मैने यह देखा है। यहां यह बाइबल मेरे सामने खुली हुई है, मैने ये होते हुए देखा है, और मैं जानता हूं यह सत्य है, स्वर्ग में परमेश्वर जानता है कि संभव है संदेश के समाप्त होने तक मैं जीवित ना रह सकूं, परंतु मैं—मैं जानता हूं कि यह घटित हुआ है। मैने इसे स्वयं देखा है। इस वचन को पूरा होने का मैं गवाह हूं कि मैं जानता हूं कि यह सत्य है: इसे कहे और वहां खड़े रहे, और देखे सृष्टिकर्ता उस जीवित प्राणी को अस्तित्व में ले आता है, ठीक आपकी आखों के सामने; आप अपना सिर हिलाते है, और आश्चर्य करते है और चारो ओर देखते है और उसे दूसरा वाला लाते हुए देखते हैं ठीक उसके समान, क्योंकि *आपने* ऐसा कहा है; और पलट कर कहते है, "दूसरा वाला वहां पर होगा," और देखते है और ये वहां है! अब, यह सत्य है।

151 ओह, हमें कहां होना चाहिए? एक सिद्ध विश्वास है। कोई दर्शन नहीं, "बस वचन कहे," गिलहरी कभी नहीं देखी। उसने बस *यह* वचन कहा, जो यह था, "और इसे बोला और इसका संदेह नहीं करे, परंतु जो आप कहते है यह वहां होगा।" और मैने परमेश्वर को उसके वचन पर लिया। और यह ठीक बात है। यह वैसे ही सामर्थी है... और मित्र, जैसे कि आपका पास्टर। ये वैसे ही सामर्थी है जैसे जब यहोशू ने सूरज को रोक दिया; क्योंकि सूरज वहां पहले ही था, वह तत्व चल रहा था और उसने उसकी गति को रोक दिया। परंतु यह, वहां किसी चीज को लेकर आया जो वहां पर नहीं थी, उसने सृष्टि की! मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैंने परमेश्वर को जाना, जो पृथ्वी की धूल को लेकर, किसी दिन, बिना किसी चीज के और मुझे फिर

से जीवन में ले आया वही विश्वास, मेरे कब्र में चले जाने के बाद। ओह प्रभु! यही बात है।

मेरा विश्वास तेरी और देखता है,
तू कलवरी का मेमना,

152 आप कहते, संदेह ना करे, परंतु जो आपने कहा है, उसका विश्वास करे, आप वह पाएंगे जो आपने कहा। देखिए, ये विश्वास करे यह घटित होगा!

153 दाऊद ने भजन संहिता में उसके विषय में कहा है। और इसके साथ, उसने अपनी सामर्थ को लिया और उसने दूसरो की सेवा की। ना कि उसने केवल अपने तक ही सीमित रखा परंतु उसने इसके द्वारा दूसरो की सेवा की; दूसरों को भी बचाया, यहां तक कि दूर–दूर तक, और वह अब उसी चीज को कर सकता है। और विश्वासियों से भी उसी विश्वास की प्रतिज्ञा की है अपने वचन में और यूहन्ना... जैसे कि यूहन्ना 14:12 उसने ऐसा ही कहा, मरकुस 16 और मरकुस 11:23 में भी, हमने अभी अभी पढ़ा है।

154 अब ध्यान दे, अब वह हम पर उसी रूप में प्रकट हुआ जैसा उन पर हुआ पुराने नियम में और उसी में जैसा उसने नए नियम में किया; और उसी वचन के द्वारा दर्शाया, वही मसीह। और मैंने आपको बता दिया कि मसीहा की ही पवित्र आत्मा है। शब्द *मसीह* का अर्थ "अभिषेक किया हुआ"; वह व्यक्ति जिसका अभिषेक हुआ वह मसीहा है, अभिषेक। कितने ये जानते है कि यह सत्य है? ये अनुवाद... अभिषेक, एक मनुष्य होगा जो कि अभिषेक होगा। किस से अभिषेक? बाइबल ने प्रेरित दो में कहा, वह नासरत का यीशु एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से प्रमाणित, पवित्र आत्मा से अभिषेक होकर महान कार्य और चीज की, देखिए कि परमेश्वर प्रगट हुआ सिद्ध किया कि वह इस मनुष्य में था।

155 और अब, हम उसी पवित्र आत्मा से अभिषेक हो गए, अभिषेक मसीहा; अंतिम दिन के मसीहा के मसीहा, कि यीशु मसीह के पुनरुत्थान को चमका दे; कि ये दर्शा दे कि वह मरा हुआ नहीं है, परंतु पवित्र आत्मा के रुप में, वह अपने लोगों में है; अपनी दुल्हन में कार्य कर रहा है, उसके साथ प्रेम संबंध, अपने आप को उसमें उंडेल रहा है। वे विवाह भोज के लिए एक हो रहे है; और वे ही चिन्ह, उसी परमेश्वर के द्वारा उसी वचन में प्रतिज्ञा दी, और उसके प्रगटीकरणों को वैसा ही कर रहा है।

156 हमारे लिए कुछ बाकी नहीं बचा है सिवाये विश्वास करने के और "इसका विश्वास" *वस्तु* है और ये सिद्ध विश्वास को उत्पन्न करता है। जरा सोचे कैसे—हम कितने कितने शून्य है; एक मिनट के लिए अब हम जरा सोचे।

157 अब, आईए देखते है। क्या उसने सारी चीजें अच्छी की है? क्या उसने कभी हमें कुछ ऐसा बताया कि ठीक वैसा ही नहीं हुआ, जैसा उसने कहा? क्या उसने नहीं किया, और क्या वह हम महान अग्नि स्तंभ हमारे बीच नहीं था और ठीक वैसा ही किया जैसा करने की उसने प्रतिज्ञा दी? क्या हमने देखा नहीं? क्या विज्ञान ने इसे नहीं लिया उसकी भविष्यवाणी करने के बाद कि क्या होगा; सीधे जाए और यहां तक कि यह अखबार और पत्रिकाओं में नहीं है, पीछे उसे लिया और इसे दिखाता, जब कि यह आपको महीनों पहले नहीं बताया कि घटित हुआ? क्या उसने ठीक वैसे ही नहीं किया जिस प्रकार से पुराने नियम में किया और नए नियम में? और ये ठीक वही है! वही पवित्र आत्मा आता है और विचारों को परखता है। "और परमेश्वर का वचन जो कि चोखा और दो धारी तलवार से तेज है, विचारों को परखने वाला हृदय की भावनाओं को जांचने वाला।" क्या ये ठीक बात नहीं है? क्या यह वही परमेश्वर नहीं है? अब वही वाला, अब ये कही भी अंजान नहीं है। वह वहां है क्या यह सिद्ध विश्वास उत्पन्न करने के लिए है। मैं उसे अनुभव करता हूँ। मैं जानता हूं कि अब वह यहां है, मैं जानता हूं कि उसका आत्मा यहां है। मैं जानता हूं कि वह सारी बाते जानता है। आमीन! और मैं जानता हूं कि वह चाहता है—कि कुछ करे वह कुछ कर रहा है, कि इस सिद्ध विश्वास को लोगों में उत्पन्न करे।

158 क्या हम अनंतता में चलने वाले है, जैसे यह नूह के दिनों में था उन आठ बजे हुए प्राणो के साथ? क्या हम लूत के समान आने वाले है, सादोम में से तीन? क्या हम यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों के समान आने वाले है छः विश्वासीयो के साथ? आईए विश्वास करे, क्योंकि उसके काम सिद्ध है! वे प्रतिदिन प्रगट होते है और सिद्धता में हमारे सामने है, दिखा रहा है वह वचन है, वचन! इब्रानियों का चौथा अध्याय कहता है।

> *... परमेश्वर का वचन... दो धारी तलवार से भी बहुत चोखा है... और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है।*

159 इस पर सोचे! परमेश्वर का वचन *वह* है, ह्रदय की भावनाओं को परखता है। "क्योंकि परमेश्वर का वचन तेज और प्रबल है और किसी भी दो धारी तलवार से तेज है, प्रांत और आत्मा को पार पार छेदता है, और गाठ और गूदे–गूदे को और विचारों को जांचता है, और ह्रदय की भावनाओं को। वचन देहधारी हुआ! हेलिलुय्याह! वचन मानव देह में कार्य कर रहा है, भौतिक चिन्हों के द्वारा, तत्व चिन्हों के द्वारा, वचन चिन्हों के द्वारा, वचन चिन्हों के द्वारा सिद्धता में कि आपको सिद्ध विश्वास तक लाये, सिद्ध रेपचर के लिए।

160 क्यों नहीं हम इसे देख सकते है? ना कि एक रहस्यमयी; संसार में शैतान ने आपके सामने हर प्रकार की चीज रखी है, और आप को हटा रखने की कोशिश में... कि आपको विश्वास करने से अलग रखें। वह सभा में लाएगा और आपके सामने हर चीज फेकने का यत्न करता है जो कर सकता है! बाइबल कहता है, "उठ और अपने आप को झाकजोर।" अपनी चुमटी भर।

161 उसका आत्मा यहां है, वह आपको जानता है। आपको केवल एक चीज करनी है और वह कि विश्वास करे कि इसे स्वीकार करे। वह जानता है। कि आप इसका विश्वास करते है? वह जानता है कि आपके अंदर क्या है वह जानता है कि आप क्या है, वह जानता है कि आपकी इच्छा क्या है, वह जानता है क्या की आपकी आवश्यकता क्या है।

162 जिम, क्या तुम विश्वास करते हो कि इस बालक के विषय में जानता है? आपके निकलने के पहले उसका बुखार ले लिया एक सौ पांच, क्या आप विश्वास करते है, कि वह इसे चंगा करेगा? आज बीमारी में आया है। ये इसे छोड़ देगा। मैंने बस उधर की ओर देखा और उन्हें देखा इसके पहले कि वे घर से निकलते, उन्होंने क्या किया। अब यह सच है।

163 श्रीमती लिटिल, क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर आपका इस मधुमेह पर जय प्रदान करेगा? वहां एक स्त्री आपके बराबर में बैठी है, आपको नहीं जानती, परंतु आत्मा उस पर है। जिस छोटे के विषय में वह चिंतित है... उसके पास एक बालक है जिसका ऑपरेशन होना है, आंख या किस चीज के लिए, वह शिकागो से है। "तेज, दो धारी तलवार से अधिक शक्तिशाली; परखने वाला।" यह क्या है? वचन! क्या आप इसका विश्वास करते है? निश्चय ही।

164 वहां अगली पंक्ति में एक महिला बैठी है; हाल ही में आंख का ऑपरेशन हुआ है, बहुत अच्छा नहीं हुआ। परंतु आप ये विश्वास करती है, यह हो जाएगा... आप—आप अच्छी हो जायेगी। क्या आप ये विश्वास करती है? ठीक है, वह इस विषय में सोच रही है।

165 श्रीमती पेक नोफ, यह आपके लिए नहीं है, यह इस पोते के लिए है यहां बैठा है, आप इस विषय में प्रार्थना कर रही है, परन्तु आप विश्वास करती है, कि परमेश्वर इसे चंगा कर देगा? आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि उसके साथ क्या गड़बड़ी है। डॉक्टर नहीं जानता; नहीं। यह ठीक बात है। सूजे हुए फेफड़े। यह ठीक बात है। उसके लहू की परिस्थिति ठीक नहीं है! ठीक है! वे एक प्रकार से असमंजस में है कि उसे विद्यालय भेजे या नहीं। "दो धारी तलवार से तेज और बहुत ही सामर्थी।"

166 मैं एक महिला को देखता हूं अपना खाना नहीं खा पा रही है, वह कहीं है। मैं उसके मुख को देखू देखो कहीं पर, जी हां, वहां पीछे बैठी है, उसका नाम न्यू हेलन है। वह अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती है, कि पेट की परेशानी आपको छोड़ देगी। आमीन!

167 ठीक उसके दूसरी ओर एक महिला बैठी है, इस समय मेरी ओर देख रही है, किनारे पर बैठी है; वह चश्मा पहने हुए है। उसे गठिया रोग है, ये आपके उल्टे हाथ में है; ये था, यह अब नहीं है। जी हां, यदि आप विश्वास करे।

168 उस छोटे बालक के विषय में क्या है, वहां पीछे की ओर? ये ओहियो से आया है; उसकी आंख में कैंसर है। क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर इसे चंगा कर देगा? वह उसे करेगा क्या आप विश्वास करते है आशलैंड, ओहियो! क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर इसे चंगा कर देगा, वह इसे कर देगा। यह क्या है? "अधिक शक्तिशाली किसी से भी तेज... "

169 यहां, यहां पर एक महिला बैठी है, किसी चीज ने उसे प्रभावित किया, उसके कंधे में परेशानी है। यह ठीक बात है। क्या यह ठीक बात है? ठीक है, इसका विश्वास करे, और ये चला जाएगा। समझे? "परमेश्वर का वचन विचारों और ह्रदय को परखने वाला है।"

170 अब, इस भवन में प्रार्थना पत्र नहीं है। यहां कोई प्रार्थना... प्रार्थना पत्र नहीं दिए उन्हें हम यहां प्रयोग नहीं करते, जब तक व्यवस्था में ना रखना हो। आप चाहते है कि इसके लिए प्रार्थना करे? कितने प्रार्थना करवाना चाहते है जब कि वचन देह से प्रगट हो रहा है? अब यह वाली पंक्ति खड़े हो कर इस रास्ते से आए, पहले यहां गलियारे में, ठीक यहां आप जो प्रार्थना करवाना चाहते है। फिर इसके बाद, मैं चाहता हूं लोग इस गलियारे से यहां इसके पीछे आए। तब, इनके हो जाने के बाद इस गलियारे वाले यहां आए।

171 "तेज, अधिक सामर्थी... " क्या दो धारी तलवार यह कर सकती है? नहीं श्रीमान! परंतु परमेश्वर का वचन यह कर सकता है। क्यों? यह परमेश्वर का वचन है, अब क्या आप विश्वास करते है?

172 *वह महान वैद्य!* वह बहन जो टेनसी से है कहां है, बहन अंग्रेजी या डाऊनिंग? "वह महान वैद्य अब समीप है।"

173 मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा, उस रात्री फोर्ट वेयना में, जब वह अमीश लड़की या डनकार्ड वहां बैठे थे उसे बजा रहे थे, "वह महान वैद्य अब यहां पर है," सुन कर कि वह छोटा लड़का चंगा हो गया, वह उछली, पवित्र आत्मा उस पर उतरा, उसके कंधो पर और प्यानो का भी सुर ना चूका। "वह महान वैद्य जो अब समीप है, सहानुभूति वाला यीशु" अलौकिक सामर्थ प्यानो की उन सुरो को दबा रहा था, बज रहा था, "वह महान वैद्य अब समीप है।"

174 इधर देखिए... आप विश्वास करते है [कोई कहता है, "... ? ... जी हां, मैं विश्वास करना चाहता हूं।"—सम्पा।] आप चाहते है? समझे? अब आप स्मरण रखे अब आप स्मरण रखे जब आप निकले... अब यदि आप विश्वास नहीं करते, तो यहां ना आए आप बैठ जाये। कहे, "मैं नहीं जा रहा हूं, मैं इसमें ठोकर नहीं खाने जा रहा हूँ, मैं आ रहा हूं, इसका विश्वास करो।" जब मैं...

175 बाइबल ने कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होगे, यदि वे बिमारो पर हाथ रख दे, वे चंगे हो जाएगे।" यह बिल्कुल ठीक बात है। अब यह परिस्थितियों पर है, "यदि आप इसका विश्वास करे।" अब, मैं इसका विश्वास करता हूं। परमेश्वर ने यह आप पर प्रमाणित कर दिया, मैं इसका विश्वास करता हूं। आप समझे? वह अपना वचन प्रकट करता है, कि यह

उसका वचन है। एक वचन का पूरा होना, ये सिद्ध करना कि यह है। अब, क्या आप ये विश्वास करते है, जब आप यहां से निकलते है। क्या आप यह करेंगे? और तब जब मैं अपने हाथों को आप पर रखता हूं... यह ठीक वैसा ही जैसा बाइबल ने कहा है।

176 यहां आपके पास तेल है, भाई नेविल? लेकर उसे इधर की ओर आ जाए, आइए वचन को पूरा करे। यहां इधर की ओर आ जाए जो भी निकलता है हर व्यक्ति पर तेल लगाए और हम उसके लिए प्रार्थना करेंगे। अब ताकि मैं निश्चित हो जाऊ मुझे आप सब के लिए प्रार्थना का विश्वास मिले, हर कोई दूसरे पर हाथों को रखे जो विश्वासी है। बस वहां पहुंचे, और एक दूसरे पर हाथों को रखे, यही जहां हम कुछ, पाते है कुछ ही मिनटों में।

177 मैं देखुगा कि हमारी कलीसिया ने कितनी प्रगति की है, उस पर जिसमें हम विश्वास करते है; देखिये कि लोग कितने आगे उन्नति कर गये है; वे कैसे तलवार को लेने के लिए तैयार है और सामने की पंक्ति में आते है, कहते है, "शैतान में तुझे चुनौती देता हूं। समझे? मैं तुझे चुनौती देता हूं! अब तू मुझसे और अविश्वास नही करवा सकता।" ये चीजे किस लिए की गयी है? ताकि लोग विश्वास करेंगे। यह वचन है। ये जहां यह दर्शाता है कि मैं आपको सत्य प्रचार कर रहा हूं, वचन। वचन देहधारी हुआ, आप में देहधारी हुआ; वचन बनाया; आप में जीवन बनाया, मुझमें जीवन बनाया। समझे?

वह महान वैद्य! ठीक है, अब आइए अपने सिरो को झुकाए।

178 प्रभु यीशु, वह महान वैद्य अब समीप है, आप वह वैद्य है। मैने आपका वचन प्रचारा है और आपका वचन घोषणा करता है, कि आप यहां पर है; कि आप कल आज और सर्वदा एक से है; कि आप असफल नही हो सकते। प्रभु आपने हमें कभी भी असफल नहीं किया। और अब हम में से प्रत्येक जिन्होंने अपने हाथ एक दूसरे पर रखे हुए है, परमेश्वर की आशीषे उन पर आये। और जैसा कि हम आते है, वे विश्वासी है। और जैसा की हम तेल से उनका अभिषेक करते है, पास्टर और मैं और उन्हे इस पंक्ति में से निकालते है। होने पाये प्रत्येक यहां विश्वास में होते हुए निकले कि इसका विश्वास करे, यह जाने कि स्वर्ग का परमेश्वर यहां खड़ा उपस्थित है, होने पाये प्रत्येक अपने आप को झकझोरे। क्या वे केवल इसी समय कर सकते है, प्रभु? बस उन्हे होने दे... प्रभु ये उन में समा जाये। एक बार उनकी आंखें

खोल दे, प्रभु ताकि वे देख सके कि क्या चल रहा है और अंधे ना रहे, ना लड़खड़ाये, परंतु पुन: जीवित यीशु मसीह कि उपस्थिति की वास्तविकता देखे। प्रभु इसे प्रदान करे, यीशु के नाम में। आमीन।

179 मैं आपको यीशु मसीह के नाम में चेताता हूं, कि इस पंक्ति में जब तक ना आए, जब तक आप यह अनुभव ना करे कि आपके पास सिद्ध विश्वास है, क्योंकि आप केवल उनका समय ले रहे है, किसी का समय। यह ना करे! और... जब तक मैने आपको प्रचार किया, क्या मैने कभी कोई बात कही जो घटित ना हुई हो? बिल्कुल सही! प्रभु ने ये किया। उसने ये मेरे लिए नहीं किया, मैं विश्वास करता हूं। आपके लिए किया है, ताकि आप उसका विश्वास करे, जो मैं आपको बता रहा हूं कि यह सत्य है। अब आप इसका विश्वास करे, यह ठीक हो जाएगा और यह... आप चंगे हो जायेंगे, जब आप यहां से आते है, अपने अविश्वास को छोड़ दे, ठीक यहां... एक आत्मिक को ले ले आप इसे नही देखेंगे, परंतु ये वहां है। जब वह तेल आपको छूता है, अपना अविश्वास वही छोड़ दे। उसे जमा कर दे और सिद्ध विश्वास को साथ लेकर आगे बढ़ें कि आप चंगे हो जाएंगे। क्या आप ये करेंगे? तो फिर परमेश्वर आपको आशीष दे।

180 ठीक है, मैं किसी से कहने जा रहा हूं, जो गाने में अगुवाई कर सकता है, बस... वह महान प्रचारक कहां है, भाई वह... ? उसका क्या नाम है? केप्स, भाई केप्स। क्या वह पंक्ति मे है? वह क्या है? भाई केप्स, यहां आये और वहां खड़े हो कर गाये (सभा) जब कि हम सब प्रार्थना करते है, "वह महान वैद्य अब समीप है।"

181 जैसा कि वे अगुवाई करते है, आप में से प्रत्येक ह्रदय से गाये। बस इसे गाये, बस इसे गाये ना कहे, "मैं गाने जा रहा हूं, 'महान वैद्य अब समीप है, सहानुभूति वाला यीशु, बोले उदास ह्रदय आनंद में सहानुभूति वाला यीशु।'" [भाई ब्रन्हम भावहीन गाने को दर्शाते है।—सम्पा।] ओह, ओह, ओह, प्रभु!

182 आपके सारे मुंह! सचेत, आपकी आत्म सचेत। "जी हां, वह महान वैद्य अब समीप है, सहानुभूति वाला यीशु!" वह सिद्ध करता है कि वह यहां पर है! मैं उसका विश्वास करता हूं। आमीन।

183 ठीक है। चलिए... जिनके पास विश्वास है, सामने आ जाए।

184 यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने हाथ इस पर उसकी चंगाई के लिए रखता हूं

यीशु मसीह के नाम में, इस बीमारी को निकम्मा ठहराता हूँ।

185 यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने हाथ अपने भाई पर चंगाई के लिए रखता हूं।

186 यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने हाथ अपनी बहन पर उसकी चंगाई के लिये रखता हूँ।

187 यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने हाथ अपने भाई पर उसकी चंगाई के लिए रखता हूँ।

यीशु के नाम में मैं अपने हाथो के चंगाई के लिये अपनी बहन पर रखता हूं।

यीशु के नाम में मैं अपने भाई पर हाथ हो रखता हूं।

यीशु मसीह के नाम में, बहन पर हाथों रखता हूं।

यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने भाई पर हाथ हो रखता हूं।

यीशु मसीह के नाम में, में हाथों को अपनी बहन पर रखता हूं।

188 यीशु मसीह के नाम में, हाथों को भाई पर चंगाई के लिए रखता हूं।

यीशु मसीह के नाम मे, मैं हाथों को अपनी बहन पर रखता हूं।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे

यीशु मसीह के नाम में!

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

189 यीशु मसीह के नाम में, मेरे यह भाई चंगा हो जाये।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में!
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करें।
यीशु के नाम में, मेरी भाई को चंगा करे।
190 यीशु के नाम में; मेरे भाई को चंगा हो, वह चंगा होने पाये।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में; मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे
191 यीशु नाम में, ये बालक चंगा हो, परमेश्वर इसे प्रदान करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, यह छोटा बालक को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु नाम में, यह छोटी लड़की को चंगा करे।
192 यीशु के नाम में; मेरी यह बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
193 यीशु के नाम में; मेरे इस भाई को चंगा करे।
प्रभु यीशु नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, प्रभु मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम, प्रभु... ? ... परमेश्वर की महिमा के लिए।
194 यीशु नाम में मेरे भाई को चंगाई दे, इसे छोड़ दे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, इस बालक को चंगा करे।
यीशु के नाम में, इस बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, इस बहन को चंगा करे।

195 यीशु मसीह के नाम में, बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, हमारी बहन को चंगा करे, प्रभु।
यीशु के नाम में, मेरी भाई को चंगा करे, इसे स्वस्थ कर दे।
196 यीशु मसीह के नाम मे मेरी बहन को चंगा कर दे, प्रभु।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे
यीशु के नाम में, इस छोटी लड़की को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी भाई को चंगा करे।
यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।
यीशु के नाम में, बच्चे को चंगा कर दे।
197 प्रभु बालक को यीशु नाम में, चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, छोटे लड़के को चंगा कर दे।
प्रभु, मेरी बहन को यीशु नाम में, चंगा कर दे।
प्रभु मेरी बहन कोलिस को यीशु नाम में, चंगा कर दे।
मेरी बहन को यीशु नाम में, चंगा कर दे।
मेरे भाई को यीशु मसीह के नाम मे चंगा कर दे।
मेरी बहन को यीशु नाम में, चंगा कर दे।
198 अब अपने अविश्वास को जमा कर दे।
यीशु नाम में मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु नाम में मेरे भाई को चंगा कर दे।

199 अब अपने अविश्वास को बक्से में डाल दे, निकल जाए सिद्ध विश्वास को ले।

यीशु नाम में, इसे ले ये हो जाए।

यीशु नाम में, प्रभु इसे प्रधान कर दे।

यीशु नाम में, प्रभु इसे प्रदान कर दे।

यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, इसे चंगा कर दे।

यीशु नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

200 भाई आपको आशीष मिले, यीशु के नाम में भाई कोक्स को चंगा करे। प्रभु, परमेश्वर की महिमा हो!

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

201 अब स्मरण रखें, मैं विश्वास का सब कुछ लगा रहा हूं, जो मैं जानता हूं की कैसे करूं, इसमें इस उद्देश्य के लिए।

यीशु के नाम में, इस छोटी लड़की को चंगा करे।

यीशु के नाम में, इस बहन को चंगा कर दे।

202 परमेश्वर, मैं अपने हाथों को बालक पर रखता हूं। इसलिए कि ये चंगी हो जाएगी यीशु के नाम में। आमीन।

यीशु के नाम में, इस छोटी लड़की को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे इस भाई को चंगा कर दे।

203 यह छोटी लड़की? इसे ऊपर उठा ले। यीशु मसीह के नाम में, इन्हें चंगा कर दे, प्रभु, अपनी महिमा के लिए।

यीशु के नाम में, हमारी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, हमारी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु, मेरे छोटे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को नंगा कर दे।

204 यीशु मसीह के नाम मे, मैं उसकी चंगाई मांगता हूं।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे, प्रभु।
यीशु के नाम में, मेरे छोटे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु मसीह के नाम मे, मेरी बहन को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे

205 यीशु मसीह के नाम में, मेरी भाई, बच्चे को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, प्रभु इन्हें चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।
यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा आकर दे।

मेरी बहन को यीशु के नाम में, चंगा कर दे।

मेरे भाई को यीशु नाम में, चंगा कर दे।

मेरी बहन को यीशु नाम में, चंगा कर दे।

मेरी बहन को यीशु नाम में, चंगा कर दे।

मेरी बहन को यीशु मसीह के नाम में, चंगा कर दे।

मेरी बहन को चंगा कर दे।

206 मेरी बहन को चंगा करे, उन्हें आशीषित करे प्रभु, उनके... ? ... यीशु के नाम में।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को आशीषित करे।

यीशु के नाम में, हमारे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, प्रभु हमारे भाई को चंगा कर दे।

यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे, प्रभु।

यीशु के नाम, उसके निवेदन को ग्रहण करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

207 अपने अविश्वास को जमा कर दे। अब विश्वास करते हुए आए परमेश्वर इसे प्रदान करेगा, इस पर विश्वास करते हुए आए। और परमेश्वर इसे प्रदान करेगा, मैं विश्वास करता हूँ, मैं सारे विश्वास को प्रयोग कर रहा हूं, मैं जानता हूं कि कैसे। "वे अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे; वे चंगे हो जाएंगे।"

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा कर दे।

यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा कर दे।

208 भाई नेविल यह दृश्य कैसा है? भाई डाऊच, परमेश्वर के अनुग्रह का एक पुरस्कार! इस पुरुष को मर जाना था, एक या दो सप्ताह पहले।

209 यीशु मसीह के नाम में; परमेश्वर, आपको उसे प्रेम करना ही है पिता, क्योंकि आपने उसके लिए महान चीजे की है। मैं अपने हाथ उस पर, यीशु मसीह के नाम से रखता हूं।

210 प्रभु परमेश्वर, उसकी बहुमूल्य पत्नी पर, मैं अपने हाथ उस पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में से उसकी चंगाई के लिए। आमीन।

वे इतने ही है?

211 अब, आइये अपने सिरो को झुकाते है, अब।

वह महान वैद्य अब समीप है,
सहानुभूति वाला यीशु;
वह उदास ह्रदय से बोलता है आनंद में बदल देता है
ओह, यीशु की आवाज को सुनो

सराव के गीतो का सबसे मीठा स्वर,
मरण हार जुबान पर सबसे मीठा नाम;
सबसे मीठा भजन जो कभी गाया गया,
यीशु धन्य यीशु।

212 आपने जाना कि मैंने आपके लिए क्या किया? आप मुझे "अपना पास्टर" कहते हैं; और आप अच्छा कहते है, क्योंकि मैं हूं, यदि मैं आपका पास्टर हूं यीशु मसीह के द्वारा प्रमाणित कि मैं इसका कार्य करता हूं, तो मेरे वचन का विश्वास करो। इस विश्वास के व्यवहार करने के द्वारा, आपके ऊपर हाथ रखने के द्वारा, मैंने बीमारी और दु:खों को निकम्मा ठहरा दिया है जो आपको परेशान कर रहे थे। यह विश्वास करे ताकि आप अपना निवेदन पास के,ये चाहे जो है क्योंकि जो विश्वास करते है, उनके लिए सारी चीजें संभव है। और अब आप प्रार्थना करते हो तो विश्वास कर लो कि जो आपने मांगा वह मिल गया है। और मैं सच में विश्वास करता हूं कि मैंने इसे पा लिया और अपने ह्रदय में मैं आप में से प्रत्येक की चंगाई को स्वीकार करता हूं, मैं इसे स्वीकार करता हूं कि यह हो गया। मैं इसका विश्वास करता हूं, मैं जो कुछ मुझे में है। उस से विश्वास करता हूं अपने हाथ उन रूमालो पर भी यहां रख रहा हूं, मैं इसे समीप से देख रहा था, मैं विश्वास करता हूं कि यह उन्ही बातो को उत्पन्न करेगा, जो लोगो के निवेदन है। मैं—मैं इसका विश्वास करता हूं।

213 यह तीसरे खिंचाव में आ रहा है! मैं—मैं इसका विश्वास करता हूं, अब मैं आप से एक ईमानदारी से प्रश्न करता हूं, आप जो इस प्रार्थना पंक्ति से निकले है। क्या आप वास्तव में विश्वास कर सकते है और अब अनुभव करते है कि कुछ घटित हुआ है आप मैं जब से आपके ऊपर हाथ रखे गए

हैं? अपने हाथ उठाये!... ? ... यही है। हम इसी की प्रतीक्षा कर रहे थे, अब यह नहीं... अब यह खिलना आरंभ हो गया। समझे? इसके साथ आरंभ हो गया... यह मैने एक उद्देश्य के लिए किया है, मैने यह एक उद्देश्य के लिए किया है, मैं कुछ कर रहा हूं यह विश्वास के आवेश को ले रहा है और आरंभ होने के लिए पीछे जा रहा है और आरम्भ होने के लिये पीछे जा रहा है कि अंदर आए, उस घेरे में विश्वास को बढ़ा दे, इस प्रकार से, जिस पर अपने पहले कभी ध्यान नहीं दिया। ना कि एक विश्वास, परंतु एक सिद्ध विश्वास, इसे *यहां* बनाए। और ध्यान दें कि सिद्ध परमेश्वर सिद्ध हृदय के साथ, सिद्ध प्रतिज्ञा बनाए रखता है, अपने सिद्ध वचन के द्वारा, जो कि दो धारी तलवार से अधिक तेज है, और विचारो और हृदय को परखने वाला। क्या? अब हम सिद्धता पर आ रहे है क्योंकि लोगो को रेपचर के लिए इस क्रम पर आना ही है। यही है जो इसे अभी रोके हुए हैं, कलीसिया के लिए प्रतीक्षा कर रहा है कि रेपचर के सिद्ध विश्वास पर आए। इसकी प्रतीक्षा कर रहा है। इसका अर्थ मेरे लिए बहुत है शीलना इसका आपके लिए बहुत अर्थ है, परंतु कुल मिलाकर हम इसे परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा करेंगे। आमीन।

महान वैद्य अब समीप है
वह सहानुभूति...

214 प्रभु यीशु, मेरे प्रिय भाई को आशीषित करे। होने पाए आपका पवित्र आत्मा इस पास्टर को सदा भला चंगा रखें, और इसे स्वस्थ और मजबूत सेवा में रखे, जिसको आपने बुलाया है। यीशु के नाम में, प्रभु मैं इसका दावा करता हूं हम इसका दावा करते है। मैं उससे प्रेम करता हूँ। मैं दावा करता हूँ। हम जानते है कि यह सही है। अब हम इसका विश्वास कर रहे है।

सबसे मीठा भजन जो अभी गाया गया,
ओह यीशु, धन्य यीशु।

215 क्या आप उस से प्रेम नहीं करते? जरा सोचे; ठीक यही अब आपकी देहो में कार्य आरंभ हो चुका है, आपकी चंगाई का क्योंकि उसने प्रतिज्ञा दी है, कि यह होगा। और अब देखिए, क्या आपने समझा आज रात्रि में क्या कह रहा था? क्या आप ये पहेली समझ गए? "यदि *तुम* इस पहाड़ से कहो," देखिए, संदेह ना करे, संदेह ना करें, परंतु विश्वास करे कि जो आपने कहा। अब इस पर ध्यान दे, पांच मिनट से कम समय में, हर हाथ

ऊपर उठ गया कि इसमे कार्य आरंभ हो गया है ठीक इसी समय। ओह, प्रभु! वह यही है! यही है! यह क्या है? महान वैद्य की उपस्थिति।

216 ओह, आइये अपने हाथो को परमेश्वर की ओर उठाए और इसे फिर से गाये।

वह महान वैद्य अब समीप है,
वह सहानुभूति वाला यीशु;
वह उदास ह्रदय को आनंद में बदल देता है,
ओह यीशु की आवाज को सुनो।

साराप के गीत का सबसे मीठा स्वर,
सबसे मीठा नाम मरण हार जुबान पर;
सबसे मीठा भजन जो कभी गाया गया,
ओह यीशु धन्य यीशु।

217 आइये, एक मिनट के लिए शांत खड़े हो आइये उसकी आराधना हम अपने हृदय में करे, इस पर विचार करे परमेश्वर, वह यहां है। वह यहां है। कौन? जिसने अपने आपको वचन के रूप में प्रमाणित किया? "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में वास किया, वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। वचन दो धारी तलवार से भी अधिक तेज है, यहां तक कि विचारो को परखता है और भावनाओ को (जिसके लिए आप यहां आए है, आपके यहां होने का उद्देश्य, आप कौन है)"; यीशु मसीह को आज मसीह होना प्रमाणित करता है, ये उसे वही मसीहा होने को प्रमाणित करता है, कल, आज, और सर्वदा।

218 वह महान वैद्य, जो यहां पर है, जिसने कहा, "विश्वास करने वालो के लिए ये चिन्ह होगे, यदि वे अपने हाथ बीमारो पर रखते है, तो वे चंगे हो जाएंगे। यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने ह्रदय में संदेह ना करो, परंतु विश्वास कर सकते हो।" यदि वह गिलहरियां उत्पन्न कर सकता है जिसकी कोई विधि नही है या वहां परमेश्वर करने के लिए कुछ नहीं; यह मेरा अपना विश्वास है जो जाता और करता है मेरा विश्वास जिसमें। उसने मुझे मांगने की चुनौती दी उसने मुझे चुनौती दी की मांग, और मैंने उसके वचन की आज्ञा कारिता में उसकी चुनौती को स्वीकार किया, मैंने ये मांगा और ये प्रगट हो गया! परमेश्वर जो स्वर्ग में है, जानता

है यह सत्य है। क्या वह बीमार को चंगा नहीं कर सकता? यदि वह विश्वास में इस प्रकार उठा सकता है, लोगों के लिए भी यहां तक कि यदि वे इस घेरे तक नहीं चढ़ सकते, यदि वे इसे नहीं कर सकते, वह मेरे विश्वास का प्रयोग कर सकता है, वह मुझे उस स्थान तक उठा सकता है, और मैं आप लोगों के लिए चढ़ रहा हूं। मैं आपके लिए विश्वास कर रहा हूं। मैं आपके लिए बोल रहा हूं।

219 मैं आपका भाई हूं, आपके भाई के समान बिचवाई कर रहा हूं, अपनी पूरी कोशिश से आपको परमेश्वर के सामने थामे हूं। और मैं ठीक यहां श्वेत सिंहासन के सामने खड़ा हूं अब और बाजी लगा रहा हूं... उस लहूलुहान बलिदान की ओर उंगली से संकेत कर रहा हूं, और उसके नाम में होकर कह रहा हूं कि यह हो गया। इसे होना ही है और इसे होना ही है, आप जानते हैं कि यह हो गया है, मैं जानता हूं कि यह हो गया है, इसलिए क्या आप जानते हैं यह हो गया है, और ये ऐसा ही है। यह ठीक बात है। आमीन।

... भजन जो कभी गाया गया,
ओह यीशु धन्य यीशु।

सराप के गीत का सबसे मीठा स्वर,
सबसे मीठा नाम, मरण हार जुबान पर;
सबसे मीठा भजन जो कभी गाया गया,
यीशु, धन्य यीशु।

220 तेरे नाम में शैतान हमारी अधीनता में थे, सबसे मीठा नाम मरन हार जुबान पर। प्रेत... जो जो मरे हुए को जिलाता है, वह बीमार को चंगा करता है वह कोढ़ी को शुद्ध करता है, जो प्रेतों को निकलता है, वह मसीही बनाता है। वहां स्वर्ग के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं। मैं इसमें जीता हूं, इसमें बपतिस्मा लिया है, इसका विश्वास किया है, इसमें आराधना करता हूं। ओह, मुझे इसका भाग हो जाने दो। मैं अपने आप को नष्ट कर दूं; और प्रभु इसे पा लू तुझे मैं वह नाम जो यीशु मसीह कहलाता है, वह अभिषेक मसीहा ताकि में अपने मार्ग को अविश्वास की कीचड़ से पार कर दू, कि यीशु मसीह की सुंदरता को परावर्तित कर सकूं: कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

221 अब परमेश्वर आपको आशीष दे। जब आप अगले रविवार वापस आते हैं गवाही दे कि आप कैसे चंगे हुए, इस सप्ताह में क्या हुआ। ध्यान दें और देखें क्या होता है, यह समाप्त हो गया! "आप यह कैसे जानते हैं? "

222 उसने, "यह कहने के लिए," मुझसे कहा है, और मैंने ये कहा। यही है। यही है, यह समाप्त हो गया, मैं इसका विश्वास करता हूं। अब, पास्टर भाई नेविल।

223 एक क्षण। [एक भाई अन्य भाषा में बोलता है, दूसरा भाई उसका अनुवाद करता है।—सम्पा।]

224 प्रभु का नाम धन्य हो, आइए अपने हाथ उठा कर उसकी आराधना करे, एक मिनट।

225 प्रभु, हम तेरा धन्यवाद करते है। हम तेरा धन्यवाद करते है, प्रभु। धन्यवाद, पिता। धन्यवाद, पिता।

226 एक विश्वासी के समान, क्या आपने ध्यान दिया, दूर स्थानों में संदेश कितना बोला गया; और क्रम जिसमें यह बोला गया, और ध्यान दे उसी प्रकार अनुवाद वापस आया? यही है। ध्यान दे यह क्या था, ठीक संदेश के साथ और पुष्टि कर रहा था; कि बाते सच थी, जो वह पहले ही कर चुका है, जिसकी आप से प्रतिज्ञा की, कि वह करेगा। ध्यान दे, जिस प्रकार से यह आता है और इसके अनुवाद पर ध्यान दे। ध्यान दे, *वह* कितनी देर बोला और ध्यान दे, *वह* कितने शब्द, बोला, देखिए, ठीक उतने ही।

प्रभु आपको आशीष दे, जब तक कि मैं आपको फिर देखूं। आमीन।

सिद्ध विश्वास HIN63-0825E

(Perfect Faith)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में, रविवार शाम, अगस्त 25, 1963 में ब्रन्हम टेबरनेकल, जैफरसनविले, इन्डियाना, यू. एस. ए. में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org